साध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–172 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 11 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

*" कुछ नहीं मिलता दुनिया में मेहनत के बगैर
आपको अपना साया भी धूप में आने के बाद ही मिलता है...!! "*
अज्ञात...

ओवरब्रिज का घटिया निर्माण : जांच से पहले ही "बारिश" बता कर लीपापोती की तैयारी?

बरगा–मुसरा–आलीवारा में धंसाव, एनआईटी करेगी ऑडिट लेकिन रेलवे ने पहले ही दे दिया "क्लीन चिट", अफसर–ठेकेदार को बचाने की कोशिश, जिम्मेदारी तय करने की मांग

26 करोड़ के ओवरब्रिज पहली बारिश में बैठे! ,बरगा-आलीवारा-मुसरा में दरारें, सड़क धंसी

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

जिले में रेलवे के तीन ओवरब्रिज – बरगा, मुसरा और आलीवारा – के निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। तीनों जगह एप्रोच रोड धंसने और दरारें आने के बाद रेलवे प्रशासन ने जांच से पहले ही लिखित में "बारिश" को जिम्मेदार ठहरा दिया है। किसे बचाने की चाल? यही सवाल अब हर तरफ गूंज रहा है।

जांच के पहले ही फैसला!

09 जुलाई को मुख्य परियोजना प्रबंधक गति शक्ति ईकाई दपूमरे नागपुर अशोक सूर्यवंशी ने पत्र जारी कर कहा कि "वर्तमान स्थिति असामान्य और अधिक बारिश के कारण केवल एप्रोच रोड के धंसाव तक ही सीमित है। इसका आरओबी की संरचनात्मक सुरक्षा पर कोई प्रतिकूल असर नहीं है।" यानी एनआईटी की तकनीकी ऑडिट टीम की रिपोर्ट आने से पहले ही रेलवे ने निष्कर्ष सुना दिया। तकनीकी जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर न पहुंचने की बात कहने के बावजूद पत्र में सीधे बारिश को दोषी ठहरा दिया गया।

कैसी मॉनिटरिंग, कैसा कंस्ट्रक्शन?

बरगा ब्रिज में आई दरारें देखकर ही साफ है कि निर्माण में क्वालिटी का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह है कि करोड़ों की लागत से बने इन ब्रिजों की मॉनिटरिंग कौन कर रहा था? स्थानीय रेलवे अधिकारी, जिनकी निगरानी में यह निर्माण हुआ, अब सामने आने से बच रहे हैं। रेलवे के इस स्पष्टीकरण से सीधे–सीधे अफसरों और ठेकेदारों को बचाने की कोशिश नजर आ रही है।

तीनों ब्रिजों की हालत

- **बरगा:** एप्रोच पेवमेंट धंसने से दरारें आईं। आनन–फानन में मरम्मत कर आवागमन शुरू किया गया।
- **मुसरा:** अत्यधिक बारिश के बाद रिटेनिंग वॉल के पास एप्रोच रोड धंसा। WMM भरकर मरम्मत की गई।
- **आलीवारा:** यहां भी बारिश के बाद रिटेनिंग वॉल के पास धंसाव। मरम्मत के बाद काम चलाया जा रहा है।

रेलवे ने पत्र में जोरातराई ब्रिज का भी जिक्र किया है और कहा है कि वहां कोई खामी नहीं है।

अब एनआईटी जांचेगी

फिलहाल तीनों ब्रिजों की जांच का जिम्मा NIT की तकनीकी ऑडिट टीम को सौंपा गया है। मटेरियल का सैंपल लेकर वैज्ञानिक जांच भी होगी। रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। लेकिन जनता पूछ रही है – जब जांच होनी ही है तो पहले से "बारिश" का बहाना क्यों? क्या यह अफसरों और ठेकेदारों को बचाने की लीपापोती है?

मांग: पीड़ित जनता और सामाजिक संगठनों ने दोषी अफसरों और ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

भिलाई में दिनदहाड़े एक नर्सिंग छात्रा की चाकू मारकर हत्या

बेमेतरा से पढ़ाई करने आई थी खुशी, पीजी के कमरे में घुसकर वार, एकतरफा प्रेम से हत्या की आशंका, आरोपी की तलाश जारी

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

वैशाली नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक वारदात सामने आई। बेमेतरा से भिलाई पढ़ाई करने आई 19 वर्षीय नर्सिंग छात्रा खुशी साहू की पीजी के कमरे में घुसकर चाकू मारकर हत्या कर दी गई।

पुलिस के अनुसार मृतका खुशी साहू निवासी ग्राम कुम्ही, बेरला ब्लॉक, जिला बेमेतरा भिलाई के एक निजी नर्सिंग कॉलेज में पढ़ती थी। वह करीब 15–20 दिन पहले ही भिलाई आई थी और रामनगर में पीजी लेकर रह रही थी। पढ़ाई का खर्च चलाने के लिए वह वैशाली नगर के एक कैफे में काम भी करती थी। उसके साथ गांव की ही एक सहेली रूममेट थी।

नहाने गई थी रूममेट, घुस आया युवक

शुक्रवार सुबह खुशी की सहेली बाथरूम में नहाने गई थी। इसी दौरान एक अज्ञात युवक कमरे में घुसा और खुशी पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ कई वार किए और फरार हो गया। जब सहेली नहाकर बाहर आई तो खुशी खून से लथपथ जमीन पर पड़ी थी। उसने तुरंत मकान मालिक और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल अवस्था में खुशी को सुपेला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एकतरफा प्रेम से हत्या की आशंका

घटना की सूचना मिलते ही वैशाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पुलिस को एक युवक के बारे में जानकारी मिली है जो खुशी का परिचित बताया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि हत्या की वजह एकतरफा प्रेम हो सकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मृतिका की सहेली, परिचितों और अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस हत्या से पीजी और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बीएसपी में स्क्रैप चोरी : जीएम और इंजीनियरिंग एसोसिएट भेजे गए जेल

रिमांड में खुले कई बड़े नाम, 3 .50 करोड़ की संपत्ति कुर्क, अब तक15 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) से करीब 250 टन मूल्यवान स्क्रैप चोरी के बहुचर्चित मामले में गिरफ्तार बीएसपी के जीएम हिमांशु भूषण मालिक और इंजीनियरिंग एसोसिएट मनोज देवांगन को पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

भिलाई–3 थाना पुलिस ने दोनों अधिकारियों से दो दिन तक गहन पूछताछ की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में कई प्रभावशाली कारोबारियों, ट्रांसपोर्टरों और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस अब इन जानकारियों का सत्यापन कर रही है। जल्द ही इन लोगों को भी पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

15 गिरफ्तार, 3.50 करोड़ की कुर्की

गौरतलब है कि 26 मई को ग्राम अकलोरडीह स्थित एके ट्रेडर्स में छापेमारी के दौरान करीब 250 टन चोरी का स्क्रैप बरामद हुआ था। इसके बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। मामले में अब तक 15 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस ने ट्रांसपोर्टर संजय सिंह की कथित अवैध कमाई से अर्जित लगभग 3 करोड़ रुपये की चल–अचल संपत्ति और 50 लाख रुपये के आभूषण जब्त कर कुर्की की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कुल 3.50 करोड़ की संपत्ति पर कार्रवाई से स्क्रैप कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप है।

जांच का दायरा बढ़ा, सेल की भी नजर

एएसपी सुखनंदन राठौर ने कहा कि "जांच अभी जारी है। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर आगे भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। स्क्रैप चोरी के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

इस बड़े घोटाले पर अब सेल मुख्यालय की भी पैनी नजर है। सूत्रों का कहना है कि जांच पूरी होते ही प्लांट स्तर पर भी बड़े अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। बीएसपी में लंबे समय से चल रहे इस "काले कारोबार" पर शिकंजा कसने के बाद अब सबकी नजर जांच की अगली कड़ी पर टिकी है।

पश्चिम क्षेत्र में 10 स्पा सेंटरों पर पुलिस की आकस्मिक चेकिंग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा पश्चिम क्षेत्र में स्पा सेंटरों पर आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य कानून–व्यवस्था बनाए रखना, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना और स्पा सेंटरों का संचालन निर्धारित नियमों के अनुसार सुनिश्चित करना था।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम क्षेत्र संदीप पटेल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा के नेतृत्व में सहायक पुलिस आयुक्तों, थाना प्रभारी सरस्वती नगर, आजाद चौक एवं डीडी नगर सहित पुलिस टीम ने तीनों थाना क्षेत्रों में संचालित स्पा सेंटरों की जांच की। अभियान के दौरान कुल 10 स्पा सेंटरों की चेकिंग की गई। पुलिस ने संचालित गतिविधियों, कर्मचारियों के पहचान पत्र, आगंतुकों का रिकॉर्ड, सीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, सुरक्षा व्यवस्था और वैधानिक दस्तावेजों का बारीकी से परीक्षण किया। यह भी सुनिश्चित किया गया कि स्पा सेंटरों में किसी प्रकार की अवैध या संदिग्ध गतिविधि न हो और संचालन शासन के नियमों के अनुसार हो।

निरीक्षण के दौरान संचालकों को निर्देश दिए गए कि वे सभी जरूरी अभिलेख अद्यतन रखें, कर्मचारियों का सत्यापन कराएं और सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे चालू रखें। पुलिस ने स्पष्ट कहा कि नियमों के उल्लंघन या किसी भी अवैध गतिविधि पाए जाने पर संबंधित संचालकों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बांकीपुर में महा–उलटफेर नामांकन के 24 घंटे बाद कटा बीजेपी उम्मीदवार का टिकट

चारा घोटाले के कनेक्शन और स्क्रीनिंग पर उठे सवाल, बैकफुट पर दिखी एनडीए

विशेष संवाददाता / पटना

बिहार की सबसे चर्चित बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा और अप्रत्याशित फैसला लिया है। पार्टी ने अपने घोषित उम्मीदवार अभिषेक सिन्हा उर्फ अभिषेक बंटी का टिकट काटकर उनकी जगह नीरज सिन्हा को मैदान में उतारा है। यह घटनाक्रम इसलिए और चौंकाने वाला है क्योंकि महज 24 घंटे पहले 9 जुलाई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित एनडीए के तमाम दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में अभिषेक बंटी ने भारी तामझाम के साथ नामांकन किया था।

'पारिवारिक कारण' या डैमेज कंट्रोल?

अभिषेक बंटी ने "पारिवारिक कारणों" का हवाला देकर चुनाव से किनारा किया। लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इसके पीछे चारा घोटाला कनेक्शन बड़ी वजह बना।

सूत्रों के अनुसार अभिषेक बंटी के पिता रविंद्र प्रसाद मगध केमिकल कॉरपोरेशन के मैनेजर थे। 2022 में सीबीआई की विशेष अदालत ने चारा घोटाले के एक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव सहित जिन लोगों को दोषी करार दिया था, उनमें रविंद्र प्रसाद का नाम भी था और उन्हें 3 साल की सजा सुनाई गई थी।

कहा जा रहा है कि जन सुराज की टीम इस मामले को लेकर कोर्ट के दस्तावेजों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाली थी। इसी महा–शर्मिंदगी से बचने के लिए बीजेपी आलाकमान ने आनन–फानन में उम्मीदवार बदला। इससे बीजेपी की स्क्रीनिंग प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट पर ऐसे उम्मीदवार का चयन कैसे हुआ, यह पार्टी के अंदर भी चर्चा का विषय है।

नए उम्मीदवार को लेकर भी विवाद

डैमेज कंट्रोल के तहत बीजेपी ने कायस्थ समीकरण को साधने के लिए मंडल अध्यक्ष नीरज सिन्हा को टिकट दिया है। लेकिन यहां भी पेंच फंस गया है। पार्टी की प्रेस रिलीज के मुताबिक नीरज सिन्हा का जन्म 1994 में हुआ और वे 2006 से बीजेपी कार्यकर्ता हैं। विपक्ष ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा कि क्या बीजेपी ने 12 साल के बच्चे को कार्यकर्ता बना लिया था?

फ्रंटफुट से बैकफुट पर आई बीजेपी

1995 से लगातार बीजेपी के कब्जे वाली इस सीट पर इस बार मुकाबला पहले से ही त्रिकोणीय था। प्रशांत किशोर की जन सुराज और आरजेडी की रेखा गुप्ता भी मैदान में हैं।

टिकट बदलने के बाद आरजेडी और जन सुराज दोनों हमलावर हैं। दोनों दलों का दावा है कि बीजेपी विपक्ष के दबाव में बैकफुट पर आई है। जो बीजेपी अब तक बांकीपुर में एकतरफा जीत का दावा कर रही थी, अब उसे जनता के बीच जाकर यह सफाई देनी होगी कि नामांकन के अगले ही दिन उम्मीदवार क्यों बदला गया। इस उलटफेर के बाद बांकीपुर का चुनाव और भी रोचक हो गया है।

नरोत्तम मिश्रा की टिकट कटी, अब याद आई 1985 की "श्रीनिवास तिवारी" वाली सियासत

व्हाइट टाइगर ने संयम से लिखा था इतिहास, अब मिश्रा के सामने बड़ी परीक्षा

विशेष संवाददाता/ भोपाल

मध्य प्रदेश की सियासत में एक बार फिर इतिहास ने दस्तक दी है। वरिष्ठ बीजेपी नेता और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की टिकट कटने की घटना ने प्रदेश को 1985 के उस दौर की याद दिला दी है, जब कांग्रेस के दिग्गज पंडित श्रीनिवास तिवारी को तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने चुनावी मैदान से बाहर कर दिया था।

1985: व्हाइट टाइगर और वो ऐतिहासिक भीड़ : 1985 के विधानसभा चुनाव में अर्जुन सिंह ने रीवा से कांग्रेस के कद्दावर नेता श्रीनिवास तिवारी उर्फ "व्हाइट टाइगर" का टिकट काट दिया था। अगले ही दिन तिवारी जी के आवास पर 20 हजार

से अधिक समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी और उन्होंने निदर्लीय लड़ने का आग्रह किया।

लेकिन तिवारी ने संयम का परिचय दिया। उन्होंने कहा था, "कांग्रेस का अर्थ केवल अर्जुन सिंह नहीं है, देखते जाइए।" और सच में देखते–देखते तिवारी ने 1990, 1993 और 1998 में लगातार जीत दर्ज की। इसके बाद वे 10 वर्षों तक मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष रहे और एक अलग पहचान बनाई।

2026: नरोत्तम मिश्रा के सामने परीक्षा : अब ठीक वैसी ही स्थिति नरोत्तम मिश्रा के सामने है। दतिया से 5 बार विधायक और शिवराज सरकार में गृहमंत्री रहे मिश्रा का टिकट कटना बीजेपी के अंदर भी चर्चा का विषय बन गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एक टिकट कटने से करियर समाप्त नहीं होता, लेकिन इस समय लिया गया गलत निर्णय पूरे राजनीतिक भविष्य को प्रभावित कर सकता है। मिश्रा के पास अब दो रास्ते हैं – या तो पार्टी लाइन के साथ संयम बरतें और फिर वापसी करें, या फिर बगावत का रास्ता चुनें।

सबकी नजर मिश्रा के अगले कदम पर : 1985 में श्रीनिवास तिवारी ने जिस तरह पार्टी से ऊपर उठकर अपनी साख बचाई थी, क्या नरोत्तम मिश्रा भी वही रास्ता अपनाएंगे?

फिलहाल बीजेपी नेतृत्व ने मिश्रा को मनाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। लेकिन कार्यकर्ताओं में नाराजगी साफ देखी जा रही है। आने वाले दिन तय करेंगे कि मिश्रा "ब्लैक टाइगर" वाला इतिहास दोहराते हैं या फिर सियासत का नया अध्याय लिखते हैं।

महिला से छेड़छाड़ और घर में घुसकर मारपीट, 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पुलिस चौकी मोहारा, थाना डोंगरगढ़ क्षेत्र में महिला से छेड़छाड़, घर में जबरन घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन और एएसपी कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर अंकुश लगाने चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पीड़ित महिला ने 20 जून 2026 को चौकी मोहारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला के अनुसार 19 जून की रात लगभग 9 बजे ईश्वर साहू, अनीता साहू और निर्मल साहू उसके घर में जबरन घुस गए। आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए परिवार के बारे में आपत्तिजनक आरोप लगाए। इसी दौरान ईश्वर साहू ने महिला का हाथ पकड़कर उसकी साड़ी खींची। अन्य आरोपियों ने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर थाना डोंगरगढ़, चौकी मोहारा में अपराध क्रमांक 356/2026 दर्ज कर बीएनएस की धारा 333, 296, 74, 351, 115(1), 3(5) के तहत विवेचना शुरू की गई। विवेचना में घटनास्थल निरीक्षण, गवाहों के बयान और साक्ष्य संकलन के बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। 10 जुलाई को उन्हें माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

ईमानदारी से निभाएं दायित्व, देश और विद्यालय का नाम करें गौरवान्वित-विजय सिंह पवार

भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में छात्र परिषद का अलंकरण और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 में नवगठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी एवं सक्रिय सदस्यों का अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पदनाम-चिन्ह एवं सदन पट्टिका प्रदान कर उन्हें उनके दायित्वों और कर्तव्यों से अवगत कराया गया।

शपथ दिलाई शाला नायक ने : समारोह के दौरान विद्यालय के शाला नायक चंदन यादव कक्षा 12वीं 'अ' ने सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को अपने पद की गरिमा बनाए रखने तथा विद्यालय के आदर्शों एवं अनुशासन का पालन करने की शपथ दिलाई।

प्राचार्य का प्रेरणादायी उद्बोधन : प्राचार्य विजय सिंह पवार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे सदैव अपने शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास पर ध्यान दें और प्रत्येक दिन स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास करें। उन्होंने आह्वान किया कि छात्र अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें ताकि उनके परिवार, विद्यालय और देश का नाम गौरवान्वित हो।

शिक्षकों को मिली जिम्मेदारी : सदनों के मार्गदर्शन के लिए सुनीता अनिल, सजिथा राजेश, संगीता मिश्रा एवं वंदना सोनवानी को मेंटर तथा एस. एन. साहू, गोवर्धन साहू, सतीश मिश्रा एवं उपमा शुक्ला को डिप्टी मेंटर नियुक्त किया गया। गतिविधियों के मूल्यांकन एवं समन्वय का दायित्व सरिता शाक्या, डी. के. साहू, एम. के. पुरैना, पवन कुमार अग्रवाल एवं पंचराम साहू को सौंपा गया। कार्यक्रम का संचालन संगीता मिश्रा ने किया और शाला नायिका रिया राजभर कक्षा 12वीं 'स' ने आभार व्यक्त किया।

चार सदनों का गठन

वर्षभर होने वाली शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभावी संचालन के लिए विद्यार्थियों को चैरिटी, फेथ, होप एवं पीस नामक चार सदनों में विभाजित किया गया।

वरिष्ठ प्रीफेक्ट:

- चैरिटी: नागेश एवं कु. संजना साव
- फेथ: दीपक एवं कु. महिमा
- होप: आदित्य कुमार शाह एवं कु. लक्ष्मी बाघ
- पीस: कुनाल कुमार एवं कु. योगिता साहू

कनिष्ठ प्रीफेक्ट:

- चैरिटी: साईं रजक एवं कु. खुशी देवांगन
- फेथ: अभिनव कुमार एवं कु. सुहानी पाढ़ी
- होप: ओम सिंह एवं कु. सृष्टि साव
- पीस: रोशन प्रभाष एवं कु. विद्या

खास खबर

विजिटर पास का काम अब सेक्टर-1 के नये कार्यालय से, जनसंपर्क, संपर्क व प्रशासन विभाग का स्थानांतरण पूर्ण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में प्रोजेक्ट एक्सपैंशन के तहत जनसंपर्क विभाग सहित संपर्क और प्रशासन विभाग के कार्यालयों का स्थानांतरण पूरा हो गया है। अब इन विभागों से जुड़े सभी कार्य सेक्टर-1 स्थित पोस्ट ऑफिस के समीप पुराने तारघर भवन से संचालित किए जा रहे हैं। जनसंपर्क विभाग के अनुसार वर्तमान में सेंट्रल रजिस्ट्री अनुभाग, टैक्सी कंट्रोल अनुभाग, प्रोटोकॉल अनुभाग के साथ-साथ जनसंपर्क विभाग का समस्त कार्य नये कार्यालय से हो रहा है।

इसी क्रम में 9 जुलाई 2026 से विजिटर पास अनुभाग ने भी नये कार्यालय से काम शुरू कर दिया है। अब विजिटर पास जारी करने और उससे संबंधित सभी कार्य सेक्टर-1 स्थित संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क विभाग के नये कार्यालय में ही होंगे। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने संयंत्र के अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदाकारों एवं आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि विजिटर पास से संबंधित किसी भी कार्य के लिए वे सेक्टर-1 स्थित नये कार्यालय में ही संपर्क करें।

पेट्रोल में पानी की मिलावट, खाद्य नियंत्रक ने जांच के दिए आदेश

दुर्ग। दपुराना बस स्टैंड स्थित "हमारा पेट्रोल पंप" से बेचे जा रहे पेट्रोल में पानी की मिलावट का गंभीर मामला सामने आया है। पश्चिम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष आनंद कपूर ताम्रकार ने 8 जुलाई 2026 को उक्त पंप से पेट्रोल डलवाया। पेट्रोल डलवाने के बाद वाहन में समस्या आने पर जांच की गई तो पेट्रोल में पानी की मिलावट पाई गई। इसका वीडियो साक्ष्य भी उपलब्ध है। श्री ताम्रकार ने इस संबंध में जिलाधीश एवं खाद्य नियंत्रक, दुर्ग को लिखित शिकायत सौंपी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए खाद्य नियंत्रक अधिकारी अनुराग सिंह भादोरिया ने तत्काल पेट्रोल का सैंपल लेकर उसे नाप-तोल शाखा को जांच हेतु भेजने एवं उचित वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

श्री ताम्रकार ने कहा कि इस प्रकार की मिलावट से आम जनता को आर्थिक नुकसान हो रहा है और वाहनों को क्षति पहुंच रही है। यह उपभोक्ताओं के साथ सरासर धोखाधड़ी है। प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि आम जनता को इस मिलावट से बचाया जा सके। पश्चिम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रभारी पोषण साहू पश्चिम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आनंद कपूर ताम्रकार शहर महामंत्री दुष्यंत देवांगन ,विधि कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रीतम देशमुख, पूर्व पार्षद विजेंद्र भारद्वाज, अनीस रजा, मनीष सोनवानी ,खेलकूद विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अंसार अहमद, शिव वैष्णव ,वरिष्ठ अधिवक्ता डाहरिया, हिमांशु शर्मा एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता गण अपस्थित थे।

सांसद विजय बघेल ने अहिवारा में किया 133 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

खिलाड़ियों के साथ सांसद ने क्रिकेट खेलकर बढ़ाया उनका उत्साह

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

नगर पालिका परिषद अहिवारा में गुरुवार को राज्य प्रवर्तित एवं अधोसंरचना मद के अंतर्गत लगभग 133 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल रहे, जबकि अध्यक्षता अहिवारा विधायक एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने की।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विधानंद कुशवाहा, विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक बाफना, सरस्वती बंजारे, इंदिरा बंजारे, कीर्ति राज शिवाले, इंद्रजीत राउत, संत कुमारी ठाकुर, पुष्पा विदेशी साहू, पुरुषोत्तम वर्मा, पार्षदगण तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्मृति-चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया और प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर यादव भवन, उड़िया पारा एवं टाउनशिप में सामुदायिक भवन, विभिन्न वार्डों में आरसीसी नाली निर्माण, मुक्तिधाम सुविधा विस्तार, ए.वी. स्कूल के समीप बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड, आंगनबाड़ी भवन सहित अनेक विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया।

स्वागत उद्बोधन में नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक बाफना ने विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा को विकास कार्यों का प्रेरणास्रोत बताते हुए सांसद विजय बघेल की सरल कार्यशैली और कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीय व्यवहार की सराहना की।

विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू ने कहा कि सांसद विजय बघेल के सतत प्रयासों से क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है और अहिवारा नगर पालिका विकास की नई पहचान बन रही है। नगर पालिका अध्यक्ष विधानंद कुशवाहा ने कहा कि अहिवारा नगर पालिका कर संग्रह, वृक्षारोपण और जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रदेश की अग्रणी नगरपालिकाओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता के साथ विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिसका लाभ आम नागरिकों को मिल रहा है। पार्षद सरस्वती बंजारे ने कहा कि लोकतंत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी सकारात्मक बदलाव का संकेत है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण के लिए संचालित योजनाओं की सराहना की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी सवोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अहिवारा-जामुल जल प्रदाय योजना से लगभग 35 गांवों को लाभ मिलेगा। साथ ही अशोक बाफना की मांग पर डोमशेड निर्माण के लिए ?20 लाख की स्वीकृति देने की घोषणा भी की।

मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि जनता का विश्वास ही जनप्रतिनिधियों की सबसे बड़ी ताकत है और जनसेवा उनका सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सभी जनप्रतिनिधियों को क्षेत्र के विकास के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। सांसद ने अहिवारा के विकास एवं तहसील क्षेत्र की प्रगति के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम के दौरान सांसद विजय बघेल ने बाटलीवाला क्रिकेट ग्राउंड में लगभग 25 लाख की लागत से विकसित खेल मैदान का अवलोकन किया और खिलाड़ियों के साथ क्रिकेट खेलकर उनका उत्साह भी बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में नगर पालिका परिषद अहिवारा के आयुक्त प्रवीण गहलोत ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

महापौर परिषद ने प्रस्ताव किया पारित : डॉ.तीजन बाई के नाम पर होगा गनियारी शासकीय उमा विद्यालय का नामकरण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-चरोदा

निगम के वार्ड क्र. 40 गनियारी का शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्व. डॉं तीजन बाई के नाम पर होगा। महापौर परिषद द्वारा इस संबंध में प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजा गया।

नगर पालिक निगम भिलाई-3 चरौदा कार्यालय के महापौर कक्ष में गुरूवार को एम.आई.सी. की बैठक आहुत की गई। महापौर निर्मल कोसरे की अध्यक्षता में समस्त एम.आई.सी. सदस्यो द्वारा गनियारी में संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को छत्तीसगढ़ की महान कलाकार स्व. डॉं तीजन बाई के नाम करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मती से पारित करते हुए शासन को भेजे जाने की अनुशंसा की गई। बैठक के उपरांत महापौर कोसरे ने कहा कि यह बहुत ही गौरव का विषय है कि छत्तीसगढ़ माटी में स्व. डॉं तीजन बाई जैसे महान कलाकार ने जन्म लिया, हमारे लिए यह और भी गर्व का विषय है कि भिलाई-चरौदा नगर निगम के वार्ड 40 गनियारी की मे ही स्व. तीजन दीदी के जीवन का सर्वाधिक काल व्यतीत हुआ। गनियारी में वतर्मान में संचालित हो रहे शासकीय उ.मा. विद्यालय को भविष्य में पद्मविभुषन डॉं. तीजन बाई के नाम से जाना जायेगा।

श्री कोसरे ने आगे यह भी कहा कि डेढ़ करोड़ की लागत से हमारे निगम द्वारा गनियारी गांव में एक भव्य ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जा रहा है। जिसका नाम भी डॉ. तीजन बाई के नाम पर ही रखा जायेगा। आज की बैठक में एमआईसी सदस्य मोहन साहू, मनोज कुमार, श्रीमती देवकुमारी भल्लावी, श्रीमती दीप्ती आशीष वर्मा, श्रीमती संतोषी निषाद, एम.जानी, एस. वेंकट रमना, ईश्वर साहू के आलावा निगम कमिश्नर डीएस राजपूत, कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, निगम सचिव लिंगेश्वर राव, स्थापना प्रभारी राजू वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

मूर्धन्य गीतकार स्व. चमन शिंदे की जयंती पर संगोष्ठी व संगीतांजलि का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

छत्तीसगढ़ के मूर्धन्य गीतकार एवं साहित्यकार स्व. चमन शिंदे की जयंती के अवसर पर ममता शिंदे, सुर संझा एवं लोक मंजरी परिवार के संयुक्त तत्वावधान में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगोष्ठी, संगीतमय श्रद्धांजलि तथा साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. डीपी देशमुख रहे। इसके अलावा वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक डॉ. दीनदयाल साहू, वरिष्ठ साहित्यकार सीताराम साहू, पैरी बालोद विजय वतर्मान, दुर्गाप्रसाद पारकर, रजनी रजक तथा गुलाम हैदर मंसूरी ने स्व. चमन शिंदे के साहित्य, लोक संस्कृति और छत्तीसगढ़ी गीतों में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल थे, जबकि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर की विशिष्ट गरिमामयी उपस्थिति रही। वक्ताओं ने कहा कि स्व. चमन शिंदे ने अपनी रचनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और जनभावनाओं को नई पहचान दिलाई। उनका साहित्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। "खुश रहो अहले चमन, हम तो चमन छोड़ चले" की भावपूर्ण स्मृति में आयोजित संगीतांजलि में ममता शिंदे ने छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। स्वर कोकिला कविता वासनिक ने भी अपनी मधुर प्रस्तुति से वातावरण को भावविभोर कर दिया। विशेष आग्रह पर सांसद विजय बघेल ने भी स्वर्गीय लक्ष्मण मस्तुरिया के प्रसिद्ध लोकगीत "मोर संग चलव रे" की प्रस्तुति देकर उपस्थित जनों की खूब सराहना प्राप्त की।

इस अवसर पर साहित्य, लोक संस्कृति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले, कविता वासनिक, दुष्यंत हरमुख, नवीन देशमुख तथा जिला चिकित्सालय की जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर सहित अनेक गणमान्य नागरिकों को सम्मानित किया गया। संगोष्ठी के सभी आमंत्रित वक्ताओं का भी स्मृति-चिह्न एवं शॉल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन स्व. चमन शिंदे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नमन करते हुए उनकी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

सांसद बघेल ने कुम्हारी के एल्डरमैनों को दिलाई शपथ

नई दृष्टिबिंदु / कुम्हारी

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी में मनोनीत पार्षद (एल्डरमैन) के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद कुम्हारी की अध्यक्ष मीना वर्मा ने की। इस अवसर पर नगर पालिका आधिकारी नेतराम चंद्राकर जी, उपाध्यक्ष प्रमोद राजपूत सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, अधिकारी एवं कमर्चारी उपस्थित रहे।

समारोह में शासन द्वारा मनोनीत पांच एल्डरमैन—गोल्डी गोस्वामी, प्रणव श्रीवास्तव, सुनीता कुर्रे, अवधेश शुक्ला एवं मनहरण साहू—को विधिवत शपथ दिलाई गई।

नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शासन द्वारा मनोनीत एल्डरमैन नगर परिषद के विकास में सहयोगी की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी एल्डरमैन जनहित एवं विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए नगर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मुख्य अतिथि सांसद बघेल ने नवमनोनीत एल्डरमैनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पद सौभाग्य के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि शपथ लेना आसान है, लेकिन उसके अनुरूप कार्य करना सबसे बड़ी परीक्षा होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश है कि निरंतर कार्य करते रहिए, अवसर अवश्य मिलता है। आपकी मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा के कारण ही शासन ने आपको यह दायित्व सौंपा है।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि वे स्वयं भिलाई-3 और चरोदा क्षेत्र से अपनी सार्वजनिक जीवन की शुरुआत कर आज दुर्ग लोकसभा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जिसमें राकेश पाण्डेय, योगेश साहू, धर्मेंद्र सिन्हा मंडल अध्यक्ष,राजू निषाद सांसद प्रतिनिधि नगर पालिका कुम्हारी, मिथिलेश यादव सांसद प्रतिनिधि, सुजीत यादव सांसद प्रतिनिधि,तृप्ति चंद्राकर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष, फिंगू साहू,रामकुमार सोनी,रामाधार शर्मा, जुली सिंह, गीता निर्मलकार।

आईआईटी भिलाई और 506 आर्मी बेस वर्कशॉप के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, आईआईटी भिलाई और भारतीय सेना के तहत रखरखाव और तकनीकी सहायता देने वाले प्रमुख संस्थान, 506 आर्मी बेस वर्कशॉप ने 8 जुलाई 2026 को आईआईटी भिलाई कैंपस में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश और 506 आर्मी बेस वर्कशॉप के कमांडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर ब्रिगेडियर टी. ए. अरविंद की मौजूदगी में किया गया।

इस एमओयू का मकसद आपसी सहमति वाले क्षेत्रों में फैकल्टी सदस्यों, तकनीकी कर्मचारियों और रिसर्च स्कॉलर्स के जरिए एकेडमिक और तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना है। वे संयुक्त रिसर्च और डेवलपमेंट गतिविधियां करेंगे, जिनमें उभरती हुई टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, डिजाइन, एनालिसिस, मैन्युफैक्चरिंग, रिलायबिलिटी, सरफेस रोबोटिक्स, टेस्टिंग, मटीरियल्स, इंजीनियरिंग, ऑटोमेशन, AI/ML-आधारित इंजीनियरिंग समाधान, सेंसर, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, मरम्मत और री मैन्युफैक्चरिंग और अन्य संबंधित क्षेत्र शामिल हैं। सहयोग के कुछ संभावित क्षेत्रों में उभरती हुई और रक्षा-संबंधी टेक्नोलॉजी में संयुक्त रिसर्च और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसके अलावा तकनीकी वर्कशॉप, सेमिनार, एक्सपर्ट लेकर और क्षमता-निर्माण कार्यक्रम; छात्रों के लिए इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट वर्क और रिसर्च का अनुभव पाने के मौके; सेना के तकनीकी संस्थानों के साथ फैकल्टी का तालमेल; और अधिकारियों व तकनीकी कर्मचारियों के लिए कौशल विकास और विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम आदि भी शामिल हैं। यह एमओयू बड़े पैमाने पर संस्थागत कामकाज को मजबूत करेगा।

शिक्षा ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव – कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल

शाला प्रवेश उत्सव में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का किया आत्मीय स्वागत, अध्ययन सामग्री वितरित कर, उज्ज्वल भविष्य की दी शुभकामनाएं, छात्राओं को साइकिल भेंट कर बढ़ाया उत्साह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के पीएम श्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, लखनपुर तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मेण्ड्राकला में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में शामिल होकर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर, अध्ययन सामग्री वितरित कर तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए नवीन शैक्षणिक सत्र के सफल एवं प्रेरणादायी होने की मंगलकामना की।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव है। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधन और प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आज का विद्यार्थी ही कल के सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माता बनेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं का विस्तार कर रही है, ताकि प्रदेश का प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ सके। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन, परिश्रम और संस्कारों को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करती है।

पीएम श्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, लखनपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजेश अग्रवाल ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से भी बच्चों के सर्वांगीण विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया।

इसके पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेण्ड्राकला में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में मंत्री राजेश अग्रवाल ने छात्राओं को साइकिल वितरित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि साइकिल वितरण जैसी योजनाएं बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंत्री राजेश अग्रवाल ने अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छ और हरित पर्यावरण भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है।

कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी विद्यार्थी परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे तथा प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खास खबर

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी सेवा का अवसर : मुख्यमंत्री के निर्णय का छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन ने किया स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव विक्रम सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार द्वारा उत्कृष्ट खिलाड़ियों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निणर्यों के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विशेष रूप से 20 विभिन्न खेलों के 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित किए जाने तथा उन्हें शासकीय सेवा में लाभ का अवसर प्रदान करने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और प्रदेश में खेलों के प्रति युवाओं का रुझान और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने इसे खेल प्रतिभाओं के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों के अनुरूप बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता का सवोत्तम प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन, संसाधन और सम्मान मिल सके। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में अवसर प्रदान करने का निर्णय युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करेगा तथा प्रदेश में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा देगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का गौरव निरंतर बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का सशक्त आधार हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रदेश में खेल अधोसंरचना के विकास तथा खिलाड़ियों के हित में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

पीएम मोदी की गारंटी और सीएम साय के सुशासन से तेज गति से हो रहा विकास : उप मुख्यमंत्री साव

नगर पंचायत भिंभौरी को नवीन महाविद्यालय और सामुदायिक भवन की मिली सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन के कारण छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में तेज गति से विकास हो रहा है। उन्होंने बेमेतरा जिले के नगर पंचायत भिंभौरी में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने जनता से किए हर वादे को पूरा किया है। उन्होंने कार्यक्रम में 465.84 लाख रुपए की लागत से बनने जा रहे नवीन महाविद्यालय भवन एवं 14.28 लाख रुपए की लागत से बनने जा रहे किसान सामुदायिक भवन का भूमिपूजन कर नगर पंचायत भिंभौरी को बड़ी सौगातें दी। सांसद विजय बघेल, विधायक दीपेश साहू और ईश्वर साहू भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए की घोषणा

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवीन नगर पंचायत भिंभौरी में विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने यहां घर-घर में नल से जल पहुंचाने के लिए जल आवर्धन योजना के लिए 4 करोड़ रुपए एवं विकास कार्यों के लिए 1 करोड़ रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री और चेक भी वितरित किए गए।

"गारंटी हुई पूरी, विकास दिख रहा"

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी की गारंटी का मतलब है – जो कहा वो किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन की वजह से छत्तीसगढ़ आज प्रगति के नए आयाम छू रहा है। श्री साव ने कहा कि जनता से किए गए वादे के मुताबिक सरकार गठन के तत्काल बाद किए गए वादों को पूरा करने का काम किया गया है। किसानों को दो साल का बकाया बोनस दिया गया है। इसके साथ ही किसानों से 3100 रुपए की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। महिलाओं को स्वालंबन और सशक्त बनाने की दिशा में महतारी वंदन योजना अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपए दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आवासहीन परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में भारत का मान बढ़ा है। देश में जनता की बेहतरी के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को खत्म करने का महत्वपूर्ण काम हुआ है। आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त हो गया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के साथ ही पूरे छत्तीसगढ़ में तेज गति से विकास हो रहा है।

उन्होंने राज्य के तरक्की, विकास और कल्याण के लिए सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और किसान कल्याण जैसी योजनाओं में राज्य सरकार ने ऐतिहासिक काम किए हैं। स्कूलों में अधोसंरचना मजबूत की जा रही है, ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है और योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंच रहा है। महिला सशक्तिकरण, युवा रोजगार और ग्रामीण विकास हमारी प्राथमिकता है। रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, बेमेतरा जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई और पुलिस महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे कृषि उत्पादन आयुक्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का दौरा कर विश्वविद्यालय की शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान संचालक कृषि राहुल देव भी उनके साथ मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने अनुसंधान प्रयोगशालाओं, कृषि अनुसंधान परियोजनाओं, इन्क्यूबेशन सुविधाओं और विभिन्न अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और कृषि विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि विश्वविद्यालय के विकास के लिए हरसंभव मदद करेगी।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र में औषधीय एवं सगंध फसलों का अवलोकन किया। टिश्यू कल्चर लैब में केला, गन्ना और बांस के ऊतक संवर्धित पौधों के उत्पादन की जानकारी ली। उन्होंने कृषि संग्रहालय, विश्वविद्यालय के उत्पादों के विक्रय केंद्र और भारत सरकार द्वारा स्थापित आधुनिक मौसम वेधशाला का भी निरीक्षण किया।

डॉ. आर.एल. रिछारिया जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला और बायोटेक पार्क के भ्रमण के दौरान उन्हें देश के सबसे बड़े और विश्व के दूसरे सबसे बड़े धान जर्मप्लाज्म संग्रह के बारे में जानकारी दी। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने बताया कि यहां धान की 23,250 पारंपरिक किस्मों के जनन द्रव्य संरक्षित हैं, जिनमें कई औषधीय और पोषक गुणों से भरपूर हैं। इनके आधार पर नई उन्नत धान किस्मों का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य फसलों की छह हजार से अधिक किस्मों का भी संरक्षण किया गया है।

उन्होंने क्रॉप बायोफोर्टिफिकेशन लैब में संजीवनी राइस, जिंको राइस, न्यूट्री रिच राइस जीनोटाइप तथा बांस टिश्यू कल्चर पर चल रहे अनुसंधान और फाइटोसेनेटरी लैब का भी अवलोकन किया। इससे पूर्व आयोजित बैठक में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विश्वविद्यालय की शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार सेवाओं और किसानों के हित में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी।

नगर को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने में निभाएं सक्रिय भूमिका : मंत्री रामविचार नेताम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बलरामपुर

नगर पालिका परिषद बलरामपुर के नवनियुक्त एल्डरमैनों ने शुक्रवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर जनसेवा और नगर के समग्र विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। जिला मुख्यालय के बाजारपारा स्थित ऑडिटोरियम भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में आदिम जाति विकास, कृषि एवं कृषक कल्याण, मछली पालन तथा पशुपालन मंत्री रामविचार नेताम तथा सरगुजा संसदीय क्षेत्र के सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह में लाला लकड़ा, गोपाल मिश्रा, राजेश श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता, मनोज गुप्ता एवं सीमा सोनी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर नगर के विकास, सुशासन और जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मंत्री नेताम ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नगर के समग्र विकास में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि सभी एल्डरमैन जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए पारदर्शिता, समर्पण और टीम भावना के साथ कार्य करें तथा शासन की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बलरामपुर को स्वच्छ, सुंदर और विकसित नगर बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि एल्डरमैन का दायित्व केवल एक पद नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और विकास की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने नवनियुक्त एल्डरमैनों को शुभकामनाएं देते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने का आग्रह किया। समारोह में रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष लोधी एक्का, उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, सहकारी बैंक के संभागीय अध्यक्ष रामकिशुन सिंह, शिवनाथ यादव, अपर कलेक्टर एवं एसडीएम अभिषेक गुप्ता, मुख्य नपा अधिकारी दीपक एक्का, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी तथा नागरिक उपस्थित रहे।

एआई तकनीक से होगा पीएमजीएसवाई सड़कों का निरीक्षण– उप मुख्यमंत्री

हर माह वीडियो आधारित निरीक्षण से गड्ढों, दरारों और पॉटहोल की होगी पहचान, त्वरित मरम्मत की बनेगी कार्ययोजना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में पीएमजीएसवाई के तहत बनी ग्रामीण सड़कों के रखरखाव और उनकी गुणवत्ता को सुधारने के लिए राज्य सरकार अब एक क्रांतिकारी कदम उठाने जा रही है। सड़कों की मॉनिटरिंग और मरम्मत कार्य को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित महानदी भवन में पीएमजीएसवाई के कार्यों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को इस एआई आधारित सड़क निरीक्षण प्रणाली को जल्द से जल्द जमीन पर लागू करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

हर महीने वीडियो से होगी सड़कों की जांच

समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि इस नई तकनीक के तहत अब राज्य की प्रत्येक पीएमजीएसवाई सड़क का हर महीने वीडियो आधारित निरीक्षण किया जाएगा। इसके लिए विशेष एआई आधारित ऐप और डैशबोर्ड भी तैयार कर लिया गया है। एआई तकनीक सड़कों पर मौजूद गड्ढों (पॉटहोल्स), दरारों और अन्य क्षतियों की अपने आप पहचान कर उनका विश्लेषण करेगी। इससे सड़कों की श्रियल टाइमश (वास्तविक स्थिति) की सटीक जानकारी मिलेगी और किसी भी तरह की भ्रामक जानकारी से बचा जा सकेगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एआई तकनीक से प्राप्त आंकड़ों (डेटा) के आधार पर राज्य की सबसे ज्यादा खराब और क्षतिग्रस्त सड़कों की पहचान प्राथमिकता से की जाएगी। इसके बाद उनके संधारण (रखरखाव) की बजट कायर्योजना तैयार कर तुरंत मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा। इससे सरकारी संसाधनों का सही और बेहतर उपयोग हो सकेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम व सुरक्षित बनेगा।

कल से शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

इस व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने के लिए उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कल से ही प्रायोगिक तौर पर (पायलट प्रोजेक्ट के रूप में) प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक-एक चयनित सड़क का एआई आधारित निरीक्षण शुरू किया जाए। इन शुरुआती निरीक्षणों से मिलने वाले परिणामों का बारीकी से विश्लेषण करने के बाद इसे पूरे राज्य में प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। आधुनिक तकनीक के इस उपयोग से सड़कों की आयु बढ़ेगी और समय पर मरम्मत होने से जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, सचिव भीम सिंह, सचिव धर्मेश साहू, प्रधानमंत्री आवास योजना के संचालक तारन प्रकाश सिन्हा तथा संचालक एनआरएलएम अश्वनी देवांगन सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकिशोर पिता गोमती प्रसाद निवासी खुर्सीपार भिलाई द्वारा अपने स्वयं के जन्म दिनांक 09.10.1966 को होने कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15.07.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

प्रति,

श्रीमान उपसंचालक,
शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय
चिखली रोड राजनांदगांव,
जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

विषयः-शासकीय गजट में नाम परिवर्तन हेतु प्रकाशन बाबत्।

महोदय,

विषयांतर्गत निवेदन है कि मैं सुशीला देवी राय पति रामनाथ राय, उम्र 79 वर्ष, निवासी-लाल बहादुर शास्त्री हॉस्पिटल के पीछे, कांस्ट्रेक्टर कालोनी, वार्ड नं.-17, सुपेला भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) की हूं। मेरे समस्त दस्तावेज आधार कार्ड, राशन कार्ड में मेरा नाम सुशीला देवी यादव पति रामनाथ यादव, दर्ज है, मेरे स्टेट बैंक में मेरा नाम सुशीला देवी यादव पति रामनाथ यादव हो गया है, जिसे सुधारकर शासकीय संस्थान व अन्य अभिलेखों तथा अन्य दस्तावेजों में मैं सुशीला देवी यादव पति रामनाथ यादव तथा उक्त बैंक में मेरा नाम सुशीला देवी यादव पति रामनाथ यादव के स्थान पर सुशीला देवी राय पति रामनाथ राय के नाम से दर्ज करवाना चाहती हूं जिसके लिए शासकीय गजट में प्रकाशन करने की आवश्यकता है।

अतः महोदय जी से प्रार्थना है कि मेरा नाम सुशीला देवी राय पति रामनाथ राय शासकीय गजट में प्रकाशन करने की कृपा करे।

स्थान-राजनांदगांव
दिनांक-1//2/2025

सुशीला देवीराय
आवेदिका

आवक/जावक लिपिक
शासकीय मुद्रणालय
राजनांदगाव (छ.ग.)

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

संपादकीय

फिर फैक्ट्री हादसे में तीन लोग मारे गए

किसी क्षेत्र में कोई फैक्ट्री लगती है तो लोग खुश होते है अब क्षेत्र के लोगों को रोजागर मिलेगा। फलानी वस्तु का उत्पादन हमारे राज्य में होगा,राज्य के लोगों को वह वस्तु अब राज्य में ही मिलेगी और कुछ सस्ती मिलेगी। फैक्ट्री लगने राज्य व क्षेत्र का विकास होता है। सुविधाएं बढ़ती हैं। इससे फायदा होता है तो नुकसान भी होता है। एक बड़ा नुकसान यह होता है कि क्षेत्र की आबो–हवा प्रदूषित होती जाती है ।कई तरह की बीमारी कई तरह के प्रदूषण के कारण होती है ।सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि फैक्ट्री में हर साल कई हादसे होते हैं और वहां काम करने वाले मारे जाते हैं ।फैक्ट्री से होने वाले प्रदूषण को भी रोका जा सकता है और होने वाले हादसों को भी रोका जा सकता है लेकिन सभी स्तरों पर जरूरी सजगता न होने के कारण न तो प्रदूषण को रोका जाता है और न होने वाले हादसों को रोका जाता है। एक बड़ा हादसा होता है तो कुछ दिन तक हर स्तर पर भारी हो हल्ला होता है,हादसा क्यों हुआ बताया जाता है, हादसा कैसे रोका जा सकता था, बताया जाता है। हादसा भविष्य में न हो इसके लिए क्या किया जाना चाहिए तक बताया जाता है। फिर सब सो जाते हैं दूसरा हादसा होने तक।

सीधी सी बात है और हर कोई जानता है कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। हर दुर्घटना का एक कारण तो निश्चित रूप से लापरवाही होती है। फैक्ट्री प्रबंधन से लेकर कमर्चारियों के स्तर पर हादसा न होने देने के लिए जो सजगता होनी चाहिए, वह नही होती है क्योंकि सब मानकर चलते हैं हादसा दूसरे के यहां हुआ है लेकिन हमारे यहां नहीं हो सकता। जबकि हादसा रोकने के लिए सोचा और माना तो यह जाना चाहिए कि हादसा कभी भी,कहीं भी और किसी के साथ भी हो सकता है। रायपुर उरला औद्योगिक क्षेत्र ग्राम बेंद्री स्थित मे.–3 डी इनोवेशन कारखाने में भी प्रबंधन व काम करने वाले मानकर चल रहे थे कि हमारे यहां आज तक कोई हादसा नहीं हुआ तो हो नहीं सकता, किसी नाबालिग के काम करने के कारण कोई हादसा नहीं हो सकता। हादसा हो गया और काम के दौरान आक्सीजन सिलेंडर फटने से नाबालिग सहित तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद प्रशासन ने फैक्ट्री को सील कर दिया है ।पुलिस ने फैक्ट्री मालिकों सहित कई लोगों पर केस दर्ज कर लिया है। फैक्ट्री की तरफ से बताया जाता है कि हादसे में मृत लोगों के परिवारों को तीस तीस लाख मुआवजा दिया जाएगा।

हादसे के बाद कारर्वाई करना प्रशासन का काम है। प्रशासन भी यही काम करता है, वह हादसा होने के बाद सक्रिय होता है और सबसे पहले फैक्ट्री सील कर दी जाती है। यह भी बताया जाता है कि फैक्ट्री कितना मुआवजा देने वाला है। यह खबर प्रमुखता से प्रकाशित व प्रसारित की जाती है। यानी प्रशासन ने अपना काम कितने अच्छे से किया और प्रबंधन अपना काम कितने अच्छे से किया। यह सुनकर व पढ़कर भी अच्छा लगता है कि आगे भी उद्योगों में सुरक्षा पर कड़ाई से काम किया जाएगा। कड़वी सच्चाई यह है कि उद्योगों में सुरक्षा की जांच करना प्रशासन का काम है। सरकारी विभाग का काम है। लेकिन जितनी जिम्मेदारी से यह काम किया जाना चाहिए नहीं किया जाता है। कोई पैसे देकर मान लेता है कि उसकी फैक्ट्री सबसे सुरक्षित माहौल है कोई पैसा लेकर मान लेता है कि इस फैक्ट्री मे सब कुछ ठीक है, सब कुछ नियमानुसार हो रहा है। हादसा हो जाए तो मुआवजा देकर कुछ दिन बाद फिर से फैक्ट्री चलाने की इजाजत मिल जाती है।

हर राज्य में हर साल हादसे होते रहते हैं,छत्तीसगढ़ में भी हर साल हादसे होते रहते है। छत्तीसगढ़ मे कुछ महीने पहले अप्रैल में वेदाता पावर प्लांट मे बड़ा हादसा हुआ था। 20 मजदूरों की मौत हुई थी। वही सब कुछ किया गया था जो हादसे के बाद प्रशासन करता है ।मृतक के परिवार को 35–35 लाख रुपए मुआवजा दिया गया था। तब भी कांग्रेस की टीम ने हादसे के बाद घटनास्थल का दौरा किया था और इस बार भी कांग्रेस ने समिति गठित कर दी है वह घटना स्थल जाएगी और रिपोर्ट पीसीसी को सौंपेगी। अक्सर यह खबर तो लोगों को पढ़ने को मिलती है लेकिन कांग्रेस की रिपोर्ट के बारे मे लोगों को पता नहीं चलता है, लोगों को यह भी पता नहीं चलता है कि कांग्रेस फैक्ट्री में हादसे रोकने के लिए क्या करने वाली है या क्या क्या करती है। लोगों के मन में यह सवाल तो आ सकता है कि चाहे विभाग के लोग हों या कांग्रेस के नेता वह हादसे के बाद ही क्यों फैक्ट्री जल्दी पहुंच जाते हैं, वह हादसे के बाद जितनी तत्परता दिखाते हैं, हादसे रोकने के लिए फैक्ट्री पहुंच कर वहां सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ले तो कई फैक्टियों में जो हादसे होने वाले हैं वह हादसे न हो।

हादसा कहीं भी,कभी भी और किसी के साथ भी हो सकता है और इसे रोकना सामूहिक जिम्मेदारी है। फैक्ट्री है तो फैक्ट्री चलाने वालों से लेकर वहा काम करने वालों, संबंधित विभाग, राजनीतिक दलों में जिसकी सरकार है और जो विपक्ष में है। सबको फैक्ट्रियों में जाकर देखना चाहिए कि वहां काम करने वालों के लिए सुरक्षा का प्रबंध कैसा है। नहीं तो सबको मिलकर सुरक्षा प्रबंध करने के लिए फैक्ट्री संचालक को विवश करना चाहिए। हादसे के बाद फैक्ट्री बंद की जा सकती है तो हादसे रोकने के लिए फैक्ट्री सुरक्षा प्रबंध न होने पर बंद कर दिया जाना चाहिए। इससे कम से कम काम करने वालों की मौत तो नहीं होगी। अच्छा सभी के लिए यह है मौत के बाद राजनीति न की जाए। लोगों की जान बचाने के लिए राजनीति की जाए। जैसे अभी भिलाई में आयुक्त को हटाना था तो भाजपा कांग्रेस नेता एक हो गए और हटाकर दम लिया। इसी तरह भाजपा व कांग्रेस नेता फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करें तो सब उनकी तारीफ करेंगे।

संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

बेटियों के लिए बनाएं सुरक्षित दुनिया

छोटी बच्चियों के साथ निरंतर हो रही आपराधिक घटनाएं हमारे समाज के माथे पर कलंक ही हैं। यह दुनिया बेटियों के लिए लगातार असुरक्षित होती जा रही है और हमारे हाथ बंधे हुए से लगते हैं। कोई समाज अगर अपनी संततियों की सुरक्षा भी नहीं कर सकता, उनके बचपन को सुरक्षित और संरक्षित नहीं रख सकता तो यह मान लेना चाहिए सडांध बहुत गहरी है। ऐसे समाज का या तो दार्शनिक आधार दरक चुका है या वह सिर्फ एक पाखंडपूर्ण समाज बनकर रह गया है जो बातें तो बड़ी–बड़ी करता है, किंतु उसका आचरण बहुत घटिया है।

स्त्रियों की तरफ देखने का हमारा नजरिया, उनके साथ बरताव करने का रवैया बताता है कि हालात अच्छे नहीं हैं। किंतु चिंता तब और बढ़ जाती है, जब निशाने पर मासूम हों। जिन्होंने अभी–अभी होश संभाला है, दुनिया को देख रहे हैं। परख रहे हैं। समझ रहे हैं। उनके अपने परिचितों, दोस्तों, परिजनों के हाथों किए जा रहे ये हादसे बता रहे हैं कि हम कितने सड़े हुए समाज में रह रहे हैं। हमारी सारी चमकीली प्रगति के मोल क्या हैं, अगर हम अपने बच्चों के खेल के मैदानों में, पास–पड़ोस में जाने से भी सहमने लगें। किंतु ऐसा हो रहा है और हम सहमे हुए हैं। बेटियां जिनकी मौजूदगी से यह दुनिया इतनी सुंदर है, वहशी दरिंदों के निशाने पर हैं।

कानूनों से क्या होगा: बच्चों और स्त्रियों की सुरक्षा को लेकर कानूनों की कमी नहीं है। किंतु उन्हें लागू करने, एक न्यायपूर्ण समाज बनाने की प्रक्रिया में हम विफल जरूर हुए हैं ।इन घटनाओं के चलते पुलिस, सरकार और समाज सबका विवेक तथा संवेदनशीलता कसौटी पर है। निर्भया कांड के बाद समाज की आई जागरूकता और सरकार पर बने दबावों का भी हम सही दोहन नहीं कर सके। कम समय में न्याय, संवेदनशील पुलिसिंग और समाज में व्यापक जागरूकता के बिना इन सवालों से जूझा नहीं जा सकता। हमारी ह्यपरिवारह्ण नाम की संस्था जो पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों की स्थापना का मूल स्थान था, पूरी तरह दरक चुकी है। पैसा इस वक्त की सबसे बड़ी ताकत है और जायज–नाजायज पैसे का अंतर खत्म हो चुका है। माता–पिता की व्यस्तताएं, उनकी परिवार चलाने और संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में सबसे उपेक्षित तो बच्चा ही हो रहा है। सोशल मीडिया ने इस संवादहीनता के नरक को और चौड़ा किया है। संयुक्त परिवारों की टूटन तो एक सवाल है ही। ऐसे कठिन समय में हमारे बच्चे क्या करें और कहां जाएं? अवसरों से भरी पूरी दुनिया में जब वे पैदा हुए हैं, तो उनका सुरक्षित रहना एक दूसरी चुनौती बन गया है। भारतीय परिवार व्यवस्था पूरी दुनिया में विस्मय और उदाहरण का विषय रही है, किंतु इसके बिखराव और एकल परिवारों ने बच्चों को बेहद अकेला छोड़ दिया है।

स्कूल निभाएं जिम्मेदारी: ऐसे समय में जब परिवार बिखर चुके हैं, समाज की शक्तियां अपने वास्तविक स्वरूप में निष्क्रिय हैं, हमारे विद्यालयों, स्वयंसेवी संगठनों को आगे आना होगा। एक आर्थिक रूप से निर्भर समाज बनाने के साथ–साथ हमें एक नैतिक, संवेदनशील और परदुखकातर समाज भी बनाना होगा। संवेदना का विस्तार परिवार से लेकर समाज तक फैलेगा तो समाज के तमाम कष्ट कम होगें। शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता इस काम में बड़ा योगदान दे सकते हैं। सही मायने में हमें कई स्तरों पर काम करने की जरूरत है, जिसमें परिवारों और स्कूलों दोनों पर फोकस करना होगा।

परिवार और स्कूलों में नई पीढ़ी को संस्कार, सहअस्तित्व, परस्पर सम्मान और शुचिता के संस्कार देने होगें। स्त्री–पुरुष में कोई छोटा–बड़ा नहीं, कोई खास और कोई कमतर नहीं यह भावनाएं बचपन से बिठानी होगीं। पशुता और मनोविकार के लक्षण हमारी परवरिश, पढ़ाई–लिखाई और समाज में चल रहीं हलचलों से ही उपजते हैं। मोबाइल और मीडिया के तमाम माध्यमों पर उपलब्ध अश्लील और पोर्न सामग्री इसमें उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहे हैं। इसके साथ ही समाज में बंटवारे की भावनाएं इतनी गहरी हो रही हैं कि हम स्त्री के विरूद्ध अपराध को पंथों को हिसाब से देख रहे हैं। निर्मम हत्याएं, दुराचार की घटनाएं मानवता के विरुद्ध हैं। पूरे समाज के लिए कलंक हैं। इन घटनाओं पर भी हम अपनी घटिया राजनीति और पंथिक मानसिकता से ग्रस्त होकर टिप्पणी कर रहे हैं। दुनिया के हर हिस्से में हो रहे हमलों, युध्दों, दंगों और आपसी पारिवारिक लड़ाई में भी स्त्री को ही कमजोर मानकर निशाना बनाया जाता है। यह बीमार सोच और मनोरोगी समाज के लक्षण हैं।

पाखंडपूर्ण समाज और शुतुरमुर्गी सोच: समाज की पाखंडपूर्ण प्रवृत्ति और शुतुरमुर्गी रवैया ऐसे सामाजिक संकटों में साफ दिखता है। साल में दो नवरात्रि पर कन्यापूजन कर बालिकाओं का आशीष लेने वाला समाज, उसी कन्या के लिए जीने लायक हालात नहीं रहने दे रहा है। संकटों से जूझने, दो–दो हाथ करने और समाधान निकालने की हमारी मानसिकता और तैयारी दोनों नहीं है। अलीगढ़, भोपाल से लेकर उज्जैन तक जो कुछ हुआ है, वह बताता है कि हमारा समाज किस गर्त में जा रहा है। हमारी परिवार व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था, समाज व्यवस्था, धर्म सत्ता सब सवालों के घेरे में है। हमारा नैतिक पक्ष,दार्शनिक पक्ष चकनाचूर हो चुका है। हम एक स्वार्थी, व्यक्तिवादी समाज बना रहे हैं, जिसमें पति–पत्नी और बच्चों के अलावा कोई नहीं है। विश्वास का यह संकट दिनों दिन गहरा होता जा रहा है। शायद इसीलिए हमें परिजनों और पड़ोसियों से ज्यादा हिडेन कैमरों और सविर्लेंस के साधनों पर भरोसा ज्यादा है। भरोसे के दरकने का यह संकट दरअसल संवेदना के छीज जाने का भी संकट है।

कैसे बचेंगी बेटिया: बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ का नारा जब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया होगा, तब शायद वे कोख में मारी जानी वाली बेटियों की चिंता कर रहे थे। हमारे समय के एक बड़े संकट भ्रूण हत्या पर उनका संकेत था। लेकिन अब इस नारे के अर्थ बदलने से लगे हैं। लगता है कि अब दुनिया में आ चुकी बेटियों को बचाने के लिए हमें नए नारे देने होगें। एक बेहतर दुनिया किसी भी सभ्य समाज का सपना है। हमारी संस्कृति और परंपरा ने हमें स्त्री के पूजन का पाठ सिखाया है। हम कहते रहे हैं– 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता' (जहां नारियों की पूजा होता है, वहां देवता वास करते हैं)। हमारी बुद्धि, शक्ति और धन की अधिष्ठात्री भी सरस्वती, दुर्गा–काली और लक्ष्मी जैसी देवियां हैं। बावजूद इसके उन्हें पूजने वाली धरती पर बालिकाओं का जीवन इतना कठिन क्यों हो गया है? यह सवाल हमारे समाने है, हम सबके सामने, पूरे समाज के सामने। हादसे की शिकार बेटियों की चीख हमने आज नहीं सुनी तो मानवता के सामने हम सब अपराधी होगें, यकीन मानिए।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

बांकीपुर उपचुनाव : भाजपा के अभेद्य किले में प्रशांत किशोर की अग्निपरीक्षा

अजय कुमार

बिहार की राजनीति में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव अब केवल एक सीट का चुनाव नहीं रह गया है। यह मुकाबला तीन बड़े राजनीतिक संदेशों की लड़ाई बन चुका है। एक तरफ भाजपा अपने तीन दशक पुराने गढ़ को बचाने की चुनौती से जूझ रही है, दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल अपने परंपरागत वोट बैंक को एकजुट रखने की कोशिश में है, जबकि जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पहली बार चुनाव मैदान में उतरकर अपनी पूरी राजनीतिक विश्वसनीयता दांव पर लगा चुके हैं। यही वजह है कि राजधानी पटना की यह सीट पूरे बिहार की सबसे चर्चित चुनावी रणभूमि बन गई है। हालिया घटनाक्रम ने मुकाबले को और रोचक बना दिया है।

जन सुराज के वरिष्ठ नेता रितेश रंजन उर्फ बिट्टू सिंह ने पार्टी छोड़कर एनडीए प्रत्याशी के समर्थन का ऐलान कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि प्रशांत किशोर चुनावी रणनीतिकार तो हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दल चलाने की क्षमता उनमें नहीं दिखती। इसी बीच प्रशांत किशोर ने अपने नामांकन कार्यक्रम में भी बदलाव करते हुए अब 13 जुलाई को नामांकन करने का फैसला किया है। पार्टी अध्यक्ष मनोज भारती ने कार्यकर्ताओं के लिए नया सर्कुलर जारी कर पूरी ताकत के साथ नामांकन कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। दूसरी ओर राजद ने रेखा गुप्ता को उम्मीदवार बनाया, लेकिन उम्मीदवार घोषित होने के साथ ही पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा। पहले सांसद सुरेंद्र यादव ने सार्वजनिक रूप से कहा कि वह रेखा गुप्ता को नहीं जानते, फिर वरिष्ठ नेता भाई वीरेंद्र ने भी उम्मीदवार चयन पर सवाल उठा दिए। इतना ही नहीं, तेज प्रताप यादव की जनशक्ति जनता दल ने वीणा मानवी को मैदान में उतारकर महागठबंधन के वोटों में संभावित सेंध का संकेत दे दिया। कांग्रेस भी उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया से असहज दिखाई दे रही है। इन घटनाओं ने विपक्षी एकजुटता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बांकीपुर का चुनावी इतिहास भाजपा के पक्ष में बेहद मजबूत रहा है। वतर्मान स्वरूप में 2010 के परिसीमन के बाद से यह सीट लगातार भाजपा के पास रही है, जबकि यदि पुराने पटना पश्चिम क्षेत्र को जोड़ दिया जाए तो 1995 से यहां भाजपा का दबदबा कायम है। नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा चार बार और उनके पुत्र नितिन नवीन लगातार पांच बार विधायक रहे। 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के नितिन नवीन को 98,299 वोट मिले थे, जबकि राजद की रेखा गुप्ता को लगभग 46 हजार और जन सुराज की उम्मीदवार वंदना कुमारी को केवल 7,717 वोट मिले थे। यानी भाजपा और जन सुराज के बीच करीब 90 हजार वोटों का अंतर था। यही आंकड़ा बताता है कि प्रशांत किशोर के सामने चुनौती कितनी कठिन है। फिर भी प्रशांत किशोर ने सुरक्षित सीट चुनने के बजाय भाजपा के सबसे मजबूत किले में उतरने का फैसला किया। उनका तर्क है कि यह चुनाव केवल जीत–हार का नहीं बल्कि बिहार की राजनीति की दिशा बदलने का प्रयास है।

चुनावी रणनीतिकार के रूप में नरेंद्र मोदी से लेकर कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए रणनीति बनाने वाले प्रशांत किशोर अब पहली बार खुद जनता से वोट मांग रहे हैं। पिछले कई महीनों से उन्होंने बांकीपुर में अलग तरह का चुनाव अभियान तैयार किया है। सुबह पार्कों में युवा टीम लोगों से संवाद करती है, दिन में महिला कार्यकर्ता घर–घर पहुंचकर महंगाई, शिक्षा और सुरक्षा जैसे मुद्दे उठाती हैं, जबकि शाम को नुक्कड़ सभाओं, चौपाल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए भाजपा और राजद दोनों पर हमला बोला जाता है। सोशल मीडिया से लेकर मोहल्ला स्तर तक जन सुराज ने हाईटेक और जमीनी प्रचार का मिश्रित मॉडल तैयार किया है।

लेकिन चुनाव केवल अभियान से नहीं जीते जाते। बांकीपुर का सामाजिक समीकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस विधानसभा क्षेत्र में लगभग चार लाख मतदाता हैं। इनमें कायस्थ मतदाता निर्णायक माने जाते हैं, जिनकी संख्या लगभग 14 प्रतिशत बताई जाती है। भाजपा ने इसी समीकरण को ध्यान में रखते हुए अभिषेक कुमार को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा वैश्य, सवर्ण, शहरी मध्यम वर्ग और भाजपा का पारंपरिक संगठनात्मक नेटवर्क भी इस सीट पर मजबूत माना जाता है। दूसरी ओर मुस्लिम मतदाता लगभग 8 से 10 प्रतिशत माने जाते हैं और उनका बड़ा हिस्सा भाजपा विरोधी मतदान करता रहा है। ऐसे में यदि विपक्ष बंटता है तो मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा राजद की ओर जाने की संभावना अधिक मानी जा रही है, क्योंकि राजद लगातार यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहा है कि भाजपा को वास्तविक चुनौती वही दे सकता है।

प्रशांत किशोर की सबसे बड़ी उम्मीद युवा मतदाता हैं। पेपर लीक, बेरोजगारी, पलायन, खराब शहरी व्यवस्था, जलजमाव, ट्रैफिक और शिक्षा जैसे मुद्दों को उन्होंने लगातार चुनावी बहस का केंद्र बनाया है। बांकीपुर शहरी सीट है और यहां पढ़े–लिखे तथा नौकरीपेशा मतदाताओं की संख्या ग्रामीण सीटों की तुलना में अधिक है। यही कारण है कि जन सुराज जातीय राजनीति से हटकर ह्यगुड गवर्नेंसह्ण और शहरी विकास का एजेंडा सामने रख रही है। लेकिन बिहार की चुनावी राजनीति का अनुभव बताता है कि अंतिम समय में जातीय ध्रुवीकरण अक्सर स्थानीय मुद्दों पर भारी पड़ता है।

इस चुनाव में भाजपा की रणनीति भी बदली हुई नजर आ रही है। पार्टी ने केवल उम्मीदवार घोषित कर चुनाव नहीं छोड़ा है, बल्कि संगठन के बड़े नेताओं को बांकीपुर में सक्रिय कर दिया है। नितिन नवीन स्वयं क्षेत्र में लगातार मौजूद हैं और पार्टी बूथ स्तर तक नेटवर्क मजबूत करने में जुटी है। भाजपा इस चुनाव को अपनी संगठनात्मक ताकत और शहरी वोट बैंक की परीक्षा मान रही है। दूसरी तरफ राजद इसे भाजपा के खिलाफ विपक्षी आधार बचाने की लड़ाई के रूप में देख रहा है। जबकि जन सुराज के लिए यह अस्तित्व और भविष्य दोनों का सवाल बन चुका है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में जन सुराज ने 238 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन पार्टी का कुल मत प्रतिशत लगभग 2.44 प्रतिशत ही रहा। ऐसे में प्रशांत किशोर के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि क्या वे कुछ महीनों के भीतर अपने संगठन को इतनी मजबूती दे पाए हैं कि भाजपा और राजद जैसे स्थापित दलों को सीधी चुनौती दे सकें। यदि जन सुराज का वोट शेयर कई गुना बढ़ता है, भले जीत न मिले, तब भी प्रशांत किशोर इसे अपनी राजनीतिक सफलता बताएंगे। लेकिन यदि प्रदर्शन पिछले चुनाव जैसा रहा तो बिहार की वैकल्पिक राजनीति का उनका दावा गंभीर सवालों के घेरे में आ जाएगा।

बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम चाहे जो भी हो, इतना तय है कि यह चुनाव केवल एक विधायक चुनने तक सीमित नहीं रहेगा। भाजपा के लिए यह अपने अभेद्य किले की रक्षा की परीक्षा है। राजद के लिए यह विपक्षी नेतृत्व बचाने की चुनौती है। और प्रशांत किशोर के लिए यह रणनीतिकार से जननेता बनने की सबसे कठिन अग्निपरीक्षा है। बिहार की राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि चुनाव केवल आंकड़ों से नहीं, माहौल से भी जीते जाते हैं। लेकिन बांकीपुर में इस बार आंकड़े भाजपा के साथ हैं, संगठन भाजपा के साथ है, जबकि माहौल बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी प्रशांत किशोर ने खुद अपने कंधों पर उठा ली है। अब 30 जुलाई का मतदान ही बताएगा कि बांकीपुर की जनता अनुभव, संगठन और परंपरा के साथ जाती है या फिर बदलाव के नए प्रयोग पर भरोसा करती है।

भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच जो समझौते हुए हैं उससे रक्षा–सुरक्षा का पूरा परिदृश्य ही बदल जायेगा

नई दृष्टिबिंदु

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान सामने आई उनकी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की आत्मीयता से भरी तस्वीरें केवल दो नेताओं की व्यक्तिगत मित्रता का प्रदर्शन नहीं थीं, बल्कि दोनों देशों के लगातार मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों का सशक्त संदेश भी थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज ने शांतिपूर्ण हिंद–प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने में द्विपक्षीय साझेदारी की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच असैन्य परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने संबंधी कई महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया। मोदी और अल्बनीज की बैठक के बाद दोनों पक्षों ने सुरक्षा पर भारत–ऑस्ट्रेलिया संयुक्त घोषणा, ऊर्जा संबंधों पर संयुक्त बयान और साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग के लिए एक खाका जारी किया। हम आपको बता दें कि असैन्य परमाणु ऊर्जा से जुड़े समझौते के जरिए ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की वाणिज्यिक आपूर्ति का रास्ता खुलेगा। इससे भारत की परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं को मदद मिलेगी।

साथ ही दोनों पक्षों ने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते के साथ–साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौते पर भी तेजी से काम करने का निर्णय लिया। दोनों पक्ष महत्वपूर्ण खनिज गलियारे पर भी मिलकर काम करेंगे। रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों ने बढ़ते सहयोग का उल्लेख करते हुए स्वतंत्र एवं स्थिर हिंद–प्रशांत के महत्व पर जोर दिया। हम आपको बता दें कि रक्षा संबंधों को मजबूत करने की ये नयी पहल हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन द्वारा अपनी सैन्य ताकत दिखाए जाने को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच की गई हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान सामने आई उनकी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की आत्मीयता से भरी तस्वीरें केवल दो नेताओं की व्यक्तिगत मित्रता का प्रदर्शन नहीं थीं, बल्कि दोनों देशों के लगातार मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों का सशक्त संदेश भी थीं। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री सहित ऑस्ट्रेलिया के अनेक वरिष्ठ नेताओं और प्रमुख हस्तियों से प्रधानमंत्री मोदी की गमजीशी भरी मुलाकातों ने यह भी साबित किया कि ऑस्ट्रेलिया में उनकी स्वीकायर्ता और प्रभाव लगातार बढ़ा है। देखा जाये तो मोदी और अल्बनीज के बीच विकसित हुई यह मजबूत व्यक्तिगत समझ अब दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा और नई गति दे रही है। इसी भरोसे और राजनीतिक सामंजस्य का परिणाम रहा कि मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने ऐसे ऐतिहासिक समझौतों पर मुहर लगाई, जिन्होंने विशेष रूप से रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचा दिया। नई संयुक्त रक्षा और सुरक्षा घोषणा के साथ भारत और ऑस्ट्रेलिया ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वे अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और शक्ति संतुलन के सबसे भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगियों के रूप में उभर रहे हैं।

देखा जाये तो नई रक्षा और सुरक्षा घोषणा बदलते वैश्विक भू–राजनीतिक परिदृश्य में साझा रणनीतिक सोच का स्पष्ट संकेत है। इसके तहत दोनों देशों ने अपनी सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय, संयुक्त सैन्य अभ्यासों की जटिलता और आवृत्ति बढ़ाने, सूचनाओं के आदान प्रदान, सैन्य क्षमता निर्माण, रक्षा उद्योगों के एकीकरण, रक्षा अनुसंधान, आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी तथा समुद्री सुरक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनाई है। यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अब दीघर्कालिक सामरिक साझेदार बन चुके हैं।

दोनों देशों के बीच विशेष महत्व का विषय समुद्री सुरक्षा सहयोग है। दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग रूपरेखा को अंतिम रूप देकर हिंद महासागर और व्यापक हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा निगरानी, परिचालन समन्वय, क्षमता निर्माण और समुद्री क्षेत्र की जागरूकता बढ़ाने का निर्णय लिया है। भारतीय तटरक्षक बल और ऑस्ट्रेलिया की समुद्री सीमा कमान के बीच हुए समझौते से समुद्री कानून प्रवर्तन, सीमा सुरक्षा तथा समुद्री अपराधों पर संयुक्त कार्रवाई को नई मजबूती मिलेगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है और वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है।

रक्षा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि ऑस्ट्रेलियाई रक्षा महाविद्यालय में भारतीय सैन्य प्रशिक्षक की नियुक्ति का निर्णय है। यह केवल प्रशिक्षण का विषय नहीं, बल्कि दोनों देशों के सैन्य नेतृत्व के बीच दीर्घकालिक विश्वास, पेशेवर सामंजस्य और रणनीतिक समझ को और गहरा करने वाला कदम माना जा रहा है। साथ ही रक्षा विज्ञान, रक्षा नवाचार, स्टार्टअप, रक्षा सामग्री तथा सैन्य आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग का विस्तार दोनों देशों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाएगा।

इस यात्रा की दूसरी बड़ी उपलब्धि ऊर्जा सुरक्षा और असैनिक परमाणु सहयोग को नई गति देना रही। दोनों देशों ने वर्ष 2014 के असैनिक परमाणु समझौते को पूरी तरह लागू करने की प्रशासनिक व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। इसके बाद शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की आपूर्ति का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है। वैश्विक ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ऊर्जा सुरक्षा पर संयुक्त घोषणा इस बात का संकेत है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को साझा रणनीति के साथ पूरा करना चाहते हैं। कोयला, प्राकृतिक गैस, स्वच्छ ऊर्जा, जैव ईंधन, हरित ऊर्जा और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाने पर दोनों देशों की सहमति भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

साथ ही महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने नई साझेदारी की शुरुआत की है। नई साझेदारी के पांच प्रमुख स्तंभों में आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मजबूती और रक्षा अनुसंधान को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य केवल दोनों देशों की तकनीकी क्षमता बढ़ाना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित सुरक्षित और विश्वसनीय डिजिटल व्यवस्था का निर्माण भी है। इससे महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक प्रौद्योगिकी में भारत की भूमिका और मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री अल्बनीज ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने पर भी सहमति जताई। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों को दीघर्कालिक निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, आधारभूत ढांचा, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, डिजिटल अर्थव्यवस्था, खाद्य प्रसंस्करण, विमानन और आधुनिक उद्योगों में व्यापक अवसरों का उल्लेख किया। दोनों देशों ने माना कि भारत की विशाल बाजार क्षमता और ऑस्ट्रेलिया की तकनीकी विशेषज्ञता मिलकर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं।

शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए। बेंगलुरु में फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय तथा गुरुग्राम में विक्टोरिया विश्वविद्यालय परिसर स्थापित करने की प्रक्रिया को स्वीकृति मिली। भुवनेश्वर में खनन और खनन उपकरण उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करेगा। वैज्ञानिक अनुसंधान, पारंपरिक ज्ञान, फिल्म निर्माण, विश्वविद्यालय सहयोग तथा कौशल विकास से जुड़े अनेक समझौते दोनों देशों के बीच जन संपर्क को और मजबूत करेंगे।

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। तमिलनाडु से संबंधित तीन प्राचीन भारतीय धरोहरों की स्वैच्छिक वापसी पर सहमति दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास और सांस्कृतिक सम्मान का प्रतीक है। भारतीय प्रवासी समुदाय को दोनों देशों के संबंधों का जीवंत सेतु बताते हुए दोनों प्रधानमंत्रियों ने लोगों के बीच बढ़ते संपर्क को साझेदारी की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह पूरी यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका सीधा प्रभाव हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, समुद्री संतुलन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, आतंकवाद विरोधी सहयोग, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय कूटनीति पर पड़ेगा। दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार, आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, समुद्री कानूनों के सम्मान, मुक्त और नियम आधारित हिंद प्रशांत, आसियान की केंद्रीय भूमिका, हिंद महासागर क्षेत्रीय सहयोग तथा क्वॉड साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। स्पष्ट है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अब क्षेत्रीय स्थिरता के साथ–साथ वैश्विक रणनीतिक व्यवस्था को भी प्रभावित करने की क्षमता रखने वाले साझेदार बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा ने यह सिद्ध किया है कि भारत की विदेश नीति अब पारंपरिक कूटनीति तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हित, तकनीकी आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व को एक साथ साधने वाली व्यापक रणनीति में बदल चुकी है। ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए ये ऐतिहासिक समझौते इस बात का प्रमाण हैं कि भारत आज विश्व मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने समान विचार वाले देशों के साथ भरोसे, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित ऐसी मजबूत साझेदारियां विकसित की हैं, जो आने वाले वर्षों में भारत की सामरिक शक्ति, आर्थिक क्षमता और वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी।

यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी के ऑस्ट्रेलिया आगमन पर वहां के भारतीय समुदाय ने उनका पारंपरिक उत्साह और आत्मीयता के साथ भव्य स्वागत किया। भारत–ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष की उपस्थिति में मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में लगभग 30 हजार लोगों की अभूतपूर्व उपस्थिति रही, जिसे ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी नेता के संबोधन के लिए जुटी सबसे बड़ी भीड़ में से एक माना जा रहा है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने जहां भारत की तीव्र विकास यात्रा, वैश्विक प्रतिष्ठा और उपलब्धियों को रेखांकित किया, वहीं ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए ऑस्ट्रेलिया की धरती से पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर स्पष्ट और कड़ा संदेश भी दिया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया को भारत का विश्वसनीय और सच्चा मित्र बताते हुए प्रधानमंत्री अल्बनीज के समक्ष दोनों देशों के निरंतर प्रगाढ़ होते संबंधों तथा साझा सहयोग से निर्मित हो रहे उज्ज्वल भविष्य का उल्लेख किया। निस्संदेह, दोनों देशों के बीच बढ़ती यह रणनीतिक और सामाजिक निकटता वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लिए नए अवसरों और व्यापक लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगी।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में छात्र परिषद् और हाउस कैबिनेट का किया गया गठन

अलंकरण समारोह में छात्र-छात्राओं को सौंपे गए दायित्व, अनुशासन और नेतृत्व का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्र परिषद् और हाउस कैबिनेट का गठन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में अलंकरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें नव-निर्वाचित छात्र-छात्राओं को विभिन्न पदों की जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

कार्यक्रम में प्राचार्य पुष्पा बड़ा ने छात्र प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र परिषद् केवल पद प्राप्त करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन कर विद्यालय की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। शिक्षक संजय चतुर्वेदी, संजीव भदौरिया और महेंद्र कुमार बोरकर ने भी छात्र प्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह के अंत में स्कूल कैप्टन के नेतृत्व में सभी नव-निर्वाचित सदस्यों ने अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, सेवा-भाव और उत्तरदायित्व की शपथ ली। विद्यालय प्रशासन ने विश्वास जताया कि नई छात्र परिषद् और हाउस कार्यकारिणी शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक और खेल गतिविधियों को नई दिशा देगी और अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

स्कूल स्तर के पदाधिकारी

- स्कूल कैप्टन : मोहित सिंह एवं ऋतिमा महाला
- स्कूल वाइस कैप्टन : चिरंतन साहू एवं अदिति उपाध्याय
- सीए कैप्टन : आरुष कमल एवं सृष्टि साहू
- स्पोर्ट्स कैप्टन : वासुदेव उमरे एवं तान्या शर्मा
- पब्लिकेशन कैप्टन : पीयूष कुमार साहू एवं अन्वी मिश्रा
- डिसिप्लिन कैप्टन : लक्ष्य यादव एवं अनन्या दुबे

छात्र परिषद् संचालन समिति में संजय चतुर्वेदी, संजीव भदौरिया, महेंद्र कुमार बोरकर सहित 10 शिक्षकों को सदस्य नामित किया गया है।

हाउस कैबिनेट का गठन

शिवाजी हाउस : युगांश पटेल एवं दीक्षा ठाकुर - हाउस कैप्टन
टैगोर हाउस : आदित्य एवं तनिषा जैन - हाउस कैप्टन
अशोका हाउस : आयुष खिलाड़ी एवं आयुषी सिंह - हाउस कैप्टन
रमन हाउस : आयान खान एवं विजयलक्ष्मी सिंह - हाउस कैप्टन

चारों हाउस में वाइस कैप्टन, सीसीए कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन और उनके सहयोगियों की भी नियुक्ति की गई। प्रत्येक हाउस के लिए हाउस मास्टर और एसोसिएट हाउस मास्टर भी घोषित किए गए।

खास खबर

छग की इकलौती छात्रा, महासमुंद की बेटी का कमाल, 'इंटरनेशनल मून मिशन' के लिए रागनी साहू का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-महासमुंद

महासमुंद जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए यह एक अत्यंत गर्व और ऐतिहासिक क्षण है। शासकीय आशीबाई गोलछा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महासमुंद की होनहार छात्रा रागनी साहू का चयन अंतर्राष्ट्रीय चंद्र मिशन 'शक्तिसैट' के लिए 'नेशनल फाइनलिस्ट' के रूप में हुआ है। इस प्रतिष्ठित वैश्विक अभियान की सूची में जगह बनाने वाली रागनी पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से चुनी गईं इकलौती छात्रा हैं।

देशभर से चुनी गईं सिर्फ 20 प्रतिभाएं : इस वैश्विक अभियान के तहत पूरे भारत से कड़े राष्ट्रीय मूल्यांकन और साक्षात्कार (इंटरव्यू) के बाद 'केवल 20 राष्ट्रीय फाइनलिस्ट' का चयन किया गया है, जिसमें रागनी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अपना स्थान पक्का किया है। रागनी ने वर्ष 2025 में अपने स्कूल की अटल टिंकरिंग लैब के माध्यम से इस मिशन में पंजीयन कराया था। चयन प्रक्रिया के दौरान उन्होंने लगभग 120 घंटे की ऑनलाइन प्रशिक्षण श्रृंखला के अंतर्गत 21 विस्तृत मॉड्यूल तथा 550 से अधिक स्पेस, सैटेलाइट, विज्ञान, नवाचार (इन्नोवेशन) और इंजीनियरिंग आधारित लेसन सफलतापूर्वक पूरे किए।

108 देशों के छात्र मिलकर बनाएंगे चंद्र उपग्रह: 'मिशन शक्तिसैट' एक अंतर्राष्ट्रीय चंद्र सैटेलाइट मिशन है, जिसमें भारत के अलावा अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस सहित विश्व के 108 देशों के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। इस ऐतिहासिक मिशन के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा दो चंद्र उपग्रह विकसित किए जाएंगे। इनमें से एक उपग्रह चंद्रमा की कक्षा में स्थापित होकर परिक्रमा करेगा। दूसरा रोवर चंद्रमा की सतह (Surface) पर उतरकर वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम देगा।

इसरो द्वारा 11 अक्टूबर को श्रीहरिकोटा से लॉन्चिंग : विद्यार्थियों द्वारा विकसित किए जा रहे इन उपग्रहों का प्रक्षेपण 11 अक्टूबर 2026 (अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस) के अवसर पर आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इसरो (करफ्ड) द्वारा किया जाएगा। इससे पहले, रागनी साहू 22 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) में आयोजित होने वाली 8 दिवसीय नेशनल वर्कशॉप में भाग लेंगी। इस कायर्शाला का औपचारिक शुभारंभ 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मौके पर होगा। यहाँ रागनी को इसरो व क्ठ-रढअउी के वैज्ञानिकों, भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और वैश्विक अंतरिक्ष विशेषज्ञों से सीधा संवाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का ऐतिहासिक अवसर मिलेगा।

नीति आयोग से सम्बद्ध है मिशन : यह मिशन अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग से सम्बद्ध है। इस वैश्विक पहल का संचालन 'स्पेस किड्ज इंडिया' की संस्थापक एवं मुख्य कायर्कारी अधिकारी डॉ. श्रीमती केसन के नेतृत्व में किया जा रहा है, जबकि विंग कमांडर जाया तारे (रिटायर्ड) इस मिशन की भारत की राष्ट्रीय राजदूत हैं।

कलेक्टर और शिक्षा अधिकारियों ने दी बधाई : इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने छात्रा रागनी साहू को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय स्कूल के प्राचार्य जी.आर. सिन्हा तथा अटल टिंकरिंग लैब के प्रभारी चंद्रशेखर मिथलेश के सतत मार्गदर्शन को दिया। जिला शिक्षा अधिकारी बी.एल. देवांगन एवं जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा ने भी रागनी को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

रायपुर पश्चिम जोन के नए डीएसपी बने आईपीएस रॉबिन्सन गुरिया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था के तहत पुलिस विभाग में बड़ा बदलाव किया गया है। प्रशासनिक फेरबदल के बाद रॉबिन्सन गुरिया को पुलिस उपायुक्त (DCP) पश्चिम रायपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नए पदभार के साथ उनके सामने पश्चिम जोन में कानून व्यवस्था को मजबूत करने, अपराध नियंत्रण और आम जनता के बीच पुलिस की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने की चुनौती होगी। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में शहर को अलग-अलग जोनों में बांटकर डीसीपी स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है, जिससे पुलिसिंग को और प्रभावी बनाया जा सके। रॉबिन्सन गुरिया भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के अधिकारी हैं। पुलिस विभाग में अपने कार्य अनुभव और प्रशासनिक क्षमता के आधार पर उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। पश्चिम जोन रायपुर शहर के लिहाज से काफी अहम माना जाता है, जहां कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर डीसीपी स्तर के अधिकारी की सीधी निगरानी रहती है।

पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद राजधानी में पुलिस व्यवस्था को जोन स्तर पर मजबूत किया गया है। इसके तहत डीसीपी, अतिरिक्त डीसीपी और एसीपी स्तर के अधिकारियों के माध्यम से क्षेत्रवार पुलिसिंग को बेहतर बनाने की योजना है। रॉबिन्सन गुरिया की नई तैनाती के बाद उम्मीद की जा रही है कि पश्चिम जोन में अपराधों की रोकथाम, लंबित मामलों के निपटारे, महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों पर नियंत्रण और पुलिस-पब्लिक संवाद को प्राथमिकता दी जाएगी। राजधानी रायपुर में बढ़ती आबादी और शहरी विस्तार को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था में अधिकारियों की जिम्मेदारियां पहले से अधिक बढ़ गई हैं। डीसीपी पश्चिम के रूप में रॉबिन्सन गुरिया को क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के साथ-साथ थाना स्तर की पुलिसिंग को मजबूत करने की जिम्मेदारी भी निभानी होगी।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, रेंजर सहित 3 अधिकारी निलंबित; 7 आरोपी भेजे गए जेल

मामले की गंभीरता : विभाग ने रेंजर, डिप्टी रेंजर और एक बीट गार्ड को तत्काल प्रभाव से किया निलंबित

नई दृष्टिबिंदु / बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सामने आए बहुचर्चित बाघ खाल तस्करी और शिकार मामले में वन विभाग ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने पासेवाड़ा रेंज के रेंजर, डिप्टी रेंजर और एक बीट गार्ड को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वन विभाग की ओर से की गई इस कार्रवाई के बाद पूरे वन महकमे में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बाघ खाल तस्करी मामले की जांच के लिए वन विभाग ने विशेष जांच समिति का गठन किया है। जांच के दौरान संदिग्ध आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। अब तक इस मामले में करीब 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। वन विभाग की जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर गुरुवार को पासेवाड़ा रेंज के अधिकारियों और कमर्चारी के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई। विभाग का कहना है कि वन्यजीव संरक्षण से जुड़े इस संवेदनशील मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में दो बाघों के शिकार का खुलासा

यह पूरा मामला इंद्रावती टाइगर रिजर्व (ITR) के पासेवाड़ा कोर एरिया से जुड़ा है। 3 जुलाई को सामने आए इस मामले में दो बाघों के शिकार का खुलासा हुआ था। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस कोर एरिया में बिना अनुमति प्रवेश करना भी बेहद कठिन माना जाता है, वहां शिकारी पहुंचने में कैसे सफल हो गए और दो बाघों का शिकार कर लिया। इस घटना ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

बाघ जैसे संरक्षित वन्यजीव का शिकार होना वन संरक्षण व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। इस घटना के बाद वन विभाग की पेट्रोलिंग व्यवस्था, कमर्चारियों की निगरानी और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि टाइगर रिजर्व जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी, आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और मैदानी अमले की सक्रियता बेहद जरूरी है।

पहले भी उठ चुके हैं संरक्षण व्यवस्था पर सवाल

इंद्रावती टाइगर रिजर्व और आसपास के वन क्षेत्रों में वन्यजीव शिकार, तस्करी और अवैध गतिविधियों को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। कई मामलों में जांच और कार्रवाई भी हुई, लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाएं संरक्षण व्यवस्था की चुनौतियों को उजागर करती हैं। वन विभाग अब इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रहा है कि बाघों के शिकार के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और वन्यजीव अंगों की तस्करी का यह नेटवर्क कितना बड़ा है।

नई शिक्षा नीति से देश के नव निर्माण को मिलेगी नई दिशा : बृजमोहन

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-रायपुर

रायपुर के सांसद और छत्तीसगढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति नए तरीके से देश के नव निहालों को नवनिर्माण की नित नई राह दिखाएगी। बृजमोहन अग्रवाल बृहस्पतिवार को देश के जाने-माने वाणिज्यिक संगठन एसोचेम द्वारा विकसित भारत शिक्षा अभियान पर राजधानी दिल्ली के ली मेरिडियन होटल में आयोजित 18 वीं नेशनल एजुकेशन लीडरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट समिट 2026 में शिक्षा जगत में सक्रिय संस्थाओं और हस्तियों को सम्मानित करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ) ने रट्टा मारने की पुरानी प्रणाली को जड़ से खत्म किया है।

अब भारतीय शिक्षा प्रणाली का ध्यान इंडस्ट्री की जरूरतों के मुताबिक युवाओं के अपस्किलिंग, स्टार्टअप इनोवेशन को बढ़ावा देने पर है। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 भारत को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक नयी पहचान देने का काम करेगा। समारोह के विशिष्ट अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत की थीम पर हमको 140 करोड़ लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए देश के सुदुर क्षेत्रों पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देते हुए शिक्षा के स्तर को और ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास भी करना होगा तभी सभी लोगों को शिक्षित करते हुए हमारा देश उचित ढंग से और विकसित हो पाएगा।

उन्होंने छत्तीसगढ़, झारखण्ड और ओड़िशा के सुदूरवर्ती स्थलों का हवाला देते हुए वंचितों के शैक्षिक विकास के लिए सघन प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हमें शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत अभावग्रस्त संस्थाओं और गैरसरकारी संगठनों को अधिक से अधिक संसाधन उपलब्ध कराना होगा ताकि सभी को शिक्षा के समान अवसर प्राप्त हो सके।सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि विकसित भारत शिक्षा अभियान की हमारी थीम यही होना चाहिए।

जूनियर बालिका राष्ट्रीय हॉकी स्पर्धा, हॉकी इंडिया महासचिव भोलानाथ सिंह ने की घोषणा

खिलाड़ियों को 100 स्टिक-बॉल देने का वादा

नई दृष्टिबिंदु / जशपुरनगर

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह शनिवार को निजी प्रवास पर जशपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिले में हॉकी के विकास को लेकर बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष जशपुर में जूनियर बालिका राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

जशपुर पहुंचने पर भोलानाथ सिंह ने पहले प्रसिद्ध सोगड़ा आश्रम में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद छत्तीसगढ़ हॉकी अध्यक्ष फिरोज अंसारी के निवेदन पर वे जशपुर के एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम पहुंचे। यहां जिला हॉकी संघ और खिलाड़ियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

स्टेडियम में खिलाड़ियों से मुलाकात कर भोलानाथ सिंह ने उनकी तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जशपुर की धरती हॉकी प्रतिभाओं से समृद्ध है और यहां के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने एस्ट्रोटर्फ मैदान की सराहना करते हुए कहा कि इस मैदान पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं कराने की पूरी क्षमता है।

खिलाड़ियों को मिली दो बड़ी सौगात

राष्ट्रीय प्रतियोगिता: महासचिव ने घोषणा की कि निकट भविष्य में जशपुर में जूनियर नेशनल हॉकी चैंपियनशिप होगी। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता देखने और खेलने का मौका मिलेगा।

खेल सामग्री: उन्होंने वादा किया कि अगली बार जशपुर आने पर जिले के हॉकी खिलाड़ियों को अपनी ओर से 100 हॉकी स्टिक और 100 हॉकी बॉल भेंट करेंगे।

भोलानाथ सिंह ने कहा कि भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने के लिए छोटे शहरों और आदिवासी अंचलों की प्रतिभाओं को मंच देना जरूरी है। खेल सामग्री की उपलब्धता से खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर होगा और वे जशपुर के खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देंगे। कार्यक्रम में जिला हॉकी संघ अध्यक्ष वाल्टर कुजूर, हॉकी रांची अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, व्यायाम शिक्षक अंजलुस तिर्की सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी और खेलप्रेमी मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि जशपुर में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्र में हॉकी की घटती लोकप्रियता को बढ़ाने में संजीवनी का काम करेगा।

सीआरपीएफ ने बीजापुर में नक्सलियों का विस्फोटक किया जब्त

नई दृष्टिबिंदु / बीजापुर

सीआरपीएफ की 199 वाहिनी की संयुक्त टीम बी, एफ कंपनी एवं यंग प्लाटुन ने नक्सल विरोधी अभियान के तहत एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। प्राप्त सूचना के आधार पर कमांडेंट-199 वाहिनी आनंद कुमार के कुशल मार्गदर्शन व कुमार नीरज, द्वितीय कमान अधिकारी की देखरेख में बी/199 कंपनी एवं यंग प्लाटुन राजीव कुमार, कंपनी कमांडर के नेतृत्व में, एफ/199 कंपनी निरीक्ष के.बी पाण्डा के नेतृत्व में में पीडिया तथा कुप्पागुडा क्षेत्र केएड्री, हर्रा एवं मदुमपारागांवो की घने जंगल क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। जिसके दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया 8 डंप बरामद किया गया।

अभियान के दौरान जवानों ने अत्यंत सतकर्ता का परिचय देते हुए इलाके की घेराबंदी की तथा चरणबद्ध तरीके से सर्च ऑपरेशन को अंजाम दिया। तलाशी के दौरान नक्सलियों द्वारा भविष्य में सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से छिपाकर रखी गई सामग्री बरामद की गई। बरामद डंप में सीजीएल रायफल, 8 एमएम रायफल, 12 बोर रायफल, 21 आईईडी तथा आईईडी बनाने की वस्तुएं जैसे कॉर्डेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज, इलेक्ट्रिक वायर, एयर गन रांउड, विभिन्न प्रकार का इलेक्ट्रिक सामग्री, नक्सलियों की कपड़े आदि शामिल है जो कुल मिलाकर 58 तरह की वस्तुएं बरामद की हैं। उल्लेखनीय है कि एड्री, हर्रा एवं मदुमपारा (पीडिया) एवं आसपास का क्षेत्र पूर्व में नक्सली गतिविधियों के लिए बहुत संवेदनशील रहा है।

डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छग में रेलवे अधोसंरचना अभूतपूर्व गति से हो रही सशक्त - मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रायपुर में 250 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए अतिरिक्त होमिंग सुविधाओं के निर्माण हेतु 175 करोड़ की परियोजना को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना अभूतपूर्व गति से सशक्त हो रही है। केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत यह परियोजना राज्य के रेल नेटवर्क को और अधिक सक्षम एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से रायपुर में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के रखरखाव की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

निधन

जयदीप वर्मा

भिलाई। सेक्टर-10 स्थित मकान न. 2 बी, सड़क नं. 35 निवासी 47 वर्षीय जयदीप वर्मा का हृदयाघात से निधन हो गया है । अंतिम यात्रा उनके निवास से प्रातः 11 बजे दुर्ग के शिवनाथ मुक्तिधाम के लिए निकली जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।वे कल्याण महाविद्यालय के प्राचार्य रहे डॉ अवध राम वर्मा (रामपुर, बेरला वाले) के सुपुत्र हैं और रेणुका वर्मा के पति थे।

'लॉक अप 2' में फराह-रितेश की एंट्री पर कंगना रनौत का रिएक्शन

अभिनेत्री कंगना रनौत रियलिटी शो 'लॉक अप' के दूसरे सीजन के लिए वापस आ गई हैं। हालांकि, इस बार वह 'जजमेंट डे' एपिसोड में जूरी के तौर पर 'जनता की आवाज' बनेंगी। कंगना शो के जेलर्स, फराह खान और रितेश देशमुख के साथ शामिल होंगी, जो लगातार कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब कर रहे हैं और यह पक्का कर रहे हैं कि कोई भी झूठ या बहाना नजरअंदाज न हो।
रियलिटी शो में जेलर्स के तौर पर फराह और रितेश के असरदार काम की तारीफ करते हुए 'क्वीन' एक्ट्रेस ने कहा कि ये दोनों कंटेस्टेंट्स के साथ बहुत निष्पक्ष रहे हैं। साथ ही टास्क के मामले में वे बिल्कुल भी समझौता नहीं करते हैं।
सीजन 1 में शो की होस्ट रहीं कंगना ने कहा, 'फराह और रितेश ने 'लॉक अप' में वही अधिकार और तेवर दिखाया है, जिसकी इसे जरूरत थी। कंटेस्टेंट्स से सवाल-जवाब करते समय वे निष्पक्ष, निडर और बिल्कुल समझौता न करने वाले रहे हैं।
उन्होंने कहा, ''जनता की आवाज' के तौर पर, मैं इसे एक कदम और आगे ले जाने के लिए यहां आई हूं। दर्शक हर हरकत देख रहे हैं और अब उनकी आवाज सुनने का समय आ गया है। मेरा यकीन मानिए, नया एपिसोड हर किसी को चर्चा करने पर मजबूर कर देगा।' इससे पहले शो का दोबारा हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा था, 'यह शो हमेशा अपने सच को स्वीकार करने के बारे में रहा है, चाहे वह कितना भी असहज क्यों न हो। 'लॉक अप: सच या सजा' के पहले एलिमिनेशन के लिए इस वीकेंड जूरी या 'जनता की आवाज' के तौर पर फराह और रितेश के साथ जुड़ते हुए, मैं बस इतना ही कह सकती हूं कि हर पसंद की एक कीमत होती है।'
उससे पहले 'लॉक अप सीजन 2' के लॉन्च पर बात करते हुए, प्रोड्यूसर एकता कपूर ने बताया कि कंगना रियलिटी शो की होस्ट के तौर पर क्यों वापस नहीं आ रही हैं। एकता ने समझाया, 'शो का पूरा फॉर्मेट, पूरा विजन और डेमोग्राफिक बदल गया है। हमारे पास जो जेलर-जज फॉर्मेट था, वह भी बदल गया है। ओरिजिनल शो की कोई भी चीज नहीं रखी गई है। न तो जेलर और न ही होस्ट। इसलिए पुरानी चीजों को रखने से ब्रांडिंग का नयापन नहीं आता। इसलिए मुझे यकीन है कि कंगना समझ गई होंगी।'

जेंडर के आधार पर भेदभाव को लेकर कृति सेनन ने रखी राय

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी नई फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने साथ हुए भेदभाव के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री को अक्सर उनके साथी अभिनेताओं से अलग तरह से जज किया जाता है। कृति ने इंडस्ट्री में काम करने की चुनौतियों के बारे में भी बात की है।

सबसे कठिन बॉलीवुड

बातचीत में कृति ने बताया कि उन्होंने मॉडलिंग, इंजीनियरिंग कॉलेज और फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। वह जिन भी फील्ड्स का हिस्सा रही हैं, उनमें से बॉलीवुड ही वह जगह है जहां उन्हें सबसे ज्यादा चैलेंज का सामना करना पड़ा है। उन्होंने याद किया कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तो महिलाओं के लिए आज की तुलना में बहुत कम मौके थे।

लिंग के आधार पर है भेदभाव

कृति के मुताबिक, उस समय कई फिल्में मेल हीरो के आस-पास होती थीं, जिनमें अभिनेत्रियों को अक्सर सिर्फ रोमांटिक इंटरेस्ट के तौर पर लिया जाता था। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री धीरे-धीरे बड़ी हुई है, अब महिलाओं के लिए बेहतर लिखे गए रोल बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लिंग के आधार पर भेदभाव अभी भी कई तरह से मौजूद है।

कृति की हालिया रिलीज

कृति सेनन हाल ही में 'कॉकटेल 2' में नजर आई हैं। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक कॉमेडी में शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में थे। फिल्म को आलोचकों से मिले-जुले रिव्यू मिले। इसने बॉक्स ऑफिस पर दुनिया भर में लगभग 137 करोड़ रुपये कमाए। कृति ने अभी तक अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है।

अभिनेत्रियों को किया जाता है जज

कृति ने फिल्म सेट पर मेल और फीमेल एक्टर्स पर लागू होने वाले अलग-अलग स्टैंडर्ड्स के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह अपने कैरेक्टर और सीन के बारे में सवाल पूछने के लिए जानी जाती हैं। मगर जब कोई महिला ऐसा करती है, तो उसे अक्सर मुश्किल या बहुत ज्यादा सवाल पूछने वाली समझा जाता है।

सैफ ने 'हैवान' को लेकर कही यह बात

अक्षय को बताया बड़ा भाई

सैफ अली खान और अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म 'हैवान' में एक साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर सैफ ने बताया कि उनकी आने वाली फिल्म 'हैवान' उनकी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी बिल्कुल नहीं है।
एक खबर के अनुसार, सैफ ने बताया कि 'हैवान' में अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन के रोल में नजर आएंगे। सैफ उन्हें इस नए अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। सैफ ने अक्षय को अपने बड़े भाई जैसा बताया है। उनका कहना है कि दोनों की 30 साल पुरानी दोस्ती है, दोनों एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और उनके बीच की केमिस्ट्री कमाल की है। भले ही फिल्म 'हैवान' की कहानी बहुत गंभीर है, लेकिन शूटिंग के दौरान अक्षय और सैफ कैमरे के पीछे खूब मजाक-मस्ती करते थे। उनकी इन शरारतों को देखकर निर्देशक प्रियदर्शन उन्हें अक्सर बच्चों की तरह डांटते भी थे। 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी पिछली फिल्मों में दोनों ने दर्शकों को खूब हंसाया था। लेकिन सैफ ने साफ किया है कि 'हैवान' कोई कॉमेडी फिल्म नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर कहानी पर आधारित है। आखिर में सैफ ने कहा कि अगर भविष्य में कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिली, तो वह अक्षय के साथ फिर से कोई कॉमेडी फिल्म जरूर करेंगे। लेकिन फिलहाल दर्शकों को 'हैवान' में इन दोनों का एक बिल्कुल अलग और रोमांचक अंदाज देखने को मिलेगा।

कब रिलीज होगी 'हैवान'

'हैवान' का निर्देशक प्रियदर्शन कर रहे हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है। 'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 11 सितंबर को रिलीज हो सकती है।

'रामायण' में मंदोदरी बनेंगी काजल अग्रवाल, अपने रोल को लेकर किया खुलासा

'रामायण' फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और सनी देओल भगवान हनुमान के रोल में दिखेंगे। जहां फैंस इस बड़ी स्टारकास्ट को एक साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं, वहीं काजल ने खुलासा किया है कि फिल्म के पहले पार्ट में उनका रोल काफी छोटा है।

पहले पार्ट में लिमिटेड है काजल का रोल

हाल ही में जूम को दिए इंटरव्यू में काजल ने बताया कि पहले पार्ट में मंदोदरी का रोल ज्यादा नहीं दिखेगा। उन्होंने कहा कि कहानी का बड़ा हिस्सा लंका से पहले का है, इसलिए उनके किरदार को शुरुआती हिस्से में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिलेगा। काजल ने कहा, 'हमने अभी सिर्फ पार्ट 1 की शूटिंग की है और जाहिर है उसमें लंका का हिस्सा कम है, और मैं मंदोदरी हूं। इसलिए मेरा रोल बहुत लिमिटेड है। इसके बावजूद ये अनुभव बहुत शानदार रहा है। इतनी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना, जो एक वर्ल्ड फिल्म होने वाली है, बहुत खास एहसास है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो हमारे दिल के बहुत करीब है।'

यश को लेकर बोलीं काजल?

काजल ने इस फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ काम करने का अनुभव भी शेयर किया। उन्होंने कहा कि वह पहले से ही उनके काम की फैन रही हैं और उनके साथ काम करना शानदार रहा। उन्होंने कहा, 'वो बहुत अच्छे एक्टर हैं। मैं हमेशा से उनके काम को पसंद करती आई हूं और इस प्रोजेक्ट में उनके साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव रहा। वो इस फिल्म को लेकर बहुत इन्वॉल्व हैं। वो बेहद प्रोफेशनल हैं और निश्चित तौर पर बहुत टैलेंटेड हैं।'

दो हिस्सों में रिलीज होगी 'रामायण'

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। अब तक मेकर्स ने फिल्म की सिर्फ एक झलक दिखाई है, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में नजर आए। साथ ही रवि दुबे (लक्ष्मण), साई पल्लवी (सीता) और अयोध्या की भव्य दुनिया की झलक भी देखने को मिली।

अरशद वारसी ने इंडस्ट्री में आए बदलाव पर की बात

अरशद वारसी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'धमाल 4' और सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच एक्टर ने अपने करियर जर्नी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इतने साल में उनके काम करने का तरीका बदला है। साथ ही उन्होंने आज के युवा एक्टर्स के डर के बारे में भी बात की।

शॉट्स के बीच ब्रेक लेने के बजाय, काम करते थे अरशद

बातचीत के दौरान अरशद वारसी ने अपनी पीढ़ी के कलाकारों और नई पीढ़ी के एक्टर्स के बीच देखे गए अंतर के बारे में बात की। इंडस्ट्री में बदलते काम के माहौल पर बात करते हुए, अरशद ने अपनी एक फिल्म की शूटिंग का मजेदार किस्सा भी सुनाया। अरशद का मानना है

कि समय के साथ फिल्म बनाने का तरीका काफी बदल गया है। सबसे बड़ा अंतर ये है कि एक्टर्स शारीरिक रूप से मुश्किल शेड्यूल और लंबे समय तक चलने वाली शूटिंग को कैसे संभालते हैं। बातचीत के दौरान अरशद से पूछा गया कि पुरानी पीढ़ी के एक्टर्स नई पीढ़ी से कैसे अलग हैं?

इसका जवाब देते हुए उन्होंने एक ऐसा अनुभव शेयर किया जिसने उन पर गहरा असर डाला। उन्होंने एक स्टंट सीन की शूटिंग को याद किया। शॉट्स के बीच लंबा ब्रेक लेने के बजाय, वह बस अपने अगले क्यू का इंतजार करते और शूटिंग जारी रखते। इस घटना के बारे में बताते हुए अरशद ने कहा, 'मैंने वह सब किया और मैं आया और बैठ गया। अपने अगले शॉट का इंतजार किया, फिर मैं उठा और मैंने अगला शॉट और उसके बाद वाला शॉट किया।' यही वह काम करने का तरीका था जिसके वे अपने करियर के दौरान आदी हो गए थे।

अरशद के लगातार काम करने के फैन हुए निर्देशक

अरशद को बिना किसी रुकावट के शूटिंग जारी रखते देख, फिल्म के निर्देशक उनके पास गए और एक ऐसी बात कही जो अभिनेता को आज भी याद है। अरशद ने बताया कि निर्देशक ने कहा कि आप जैसे लोगों के साथ काम करना बहुत सुखद है। नई पीढ़ी के कलाकार, दो-चार स्टेप डांस करके मसाज कराने चले जाते हैं, आराम और रिकवरी के लिए उन्हें समय चाहिए, फिर वे रिकवर होकर वापस आकर दूसरा शॉट देते हैं।

नए कलाकारों का बहुत कुछ दांव पर है

हालांकि, अरशद का मानना है कि अब वर्किंग कल्चर में काफी बदलाव आया है। वो इस बदलाव को निगेटिव रूप से नहीं देखते हैं। बल्कि, उनका मानना है कि हर पीढ़ी को अपने-अपने अनूठे दबावों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज के कलाकारों के लिए बहुत कुछ दांव पर लगा होता है, शायद यही कारण है कि वे काम करते समय अधिक सतर्क रहते हैं। हम अभिनय की एक अलग दुनिया से आते हैं, इसलिए हां, थोड़ा अंतर तो है, लेकिन मुझे लगता है कि कहीं न कहीं सब ठीक हो जाता है। मुझे लगता है कि नए कलाकार ज्यादा डरे हुए हैं क्योंकि बहुत कुछ दांव पर लगा है।

दीदी के गोठ मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम के प्रथम वर्षगांठ पर जिला पंचायत में हुआ आयोजन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वर्चुअल रूप से किया संबोधित

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के महत्वपूर्ण जन जागरूकता कार्यक्रम दीदी के गोठ के मासिक रेडियो प्रसारण के प्रथम वर्षगांठ पर जिला पंचायत कबीरधाम के सभा कक्ष भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जिले की लखपति दीदी श्रीमती दुर्गा नट एवं श्रीमती रुक्मणी जायसवाल सहित समूह की अन्य दीदियों को वर्चुअल रूप से संबोधित किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि नारी शक्ति को समर्पित दीदी के गोठ सभी के लिए उपयोगी है। रानी मिस्त्री, डीलर दीदी जैसे कार्यो से महिलाओं ने अपनी नई पहचान बनाई है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण विकास के लिए और कार्य किया जाएगा जिससे ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार मिलेगा। समूह के द्वारा महिलाएं आगे बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी सहित जिला पंचायत के सदस्य श्रीमती पूर्णिमा मनीराम साहू, श्रीमती सुमित्रा पटेल, वीरेंद्र साहू, लोकचंद साहू, नितेश अग्रवाल, विजय पटेल, खिलेश्वर साहू सहित जिला पंचायत के सभी अधिकारी कर्मचारी एवं बिहान योजना से जुड़ी महिला स्व सहायता समूह की दीदीयां बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

उल्लेखनीय है कि दीदी के गोठ रेडियो प्रसारण का शुभारंभ गत वर्ष किया गया था। यह कार्यक्रम आकाशवाणी के माध्यम से प्रदेशभर की स्व-सहायता समूहों की दीदियों तक सरकार की योजनाओं, आजीविका के अवसरों तथा प्रेरणादायक सफलता की कहानियों को पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है।दीदी के गोठ कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को योजना की जानकारी प्रदान करना, महिला समूह के प्रेरणादायक अनुभव को आपस मे साझा करते हुए आत्मविश्वास प्रदान करना है।ताकि वे आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बन सकें। इसके माध्यम से लखपति दीदी, कृषि सखी, बैंक सखी, पशु सखी, ड्रोन दीदी तथा अन्य सफल महिला उद्यमियों के अनुभव साझा किए जाते हैं, जिससे अन्य दीदियाँ भी प्रेरित होकर स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ रही है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दीदी के गोठ प्रसारण से ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी बनने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इस कार्यक्रम से महिलाओं को नए व्यवसाय की जानकारी प्राप्त होती है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आजीविका के नए अवसर देने का यह नवाचार सराहनीय पहल है।

कार्यक्रम में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा की दीदी के गोठ केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं की आवाज, उनके अनुभवों और सपनों का मंच है। यह कार्यक्रम शासन और समुदाय के बीच संवाद को मजबूत बनाता है तथा प्रत्येक दीदी को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करता है। कबीरधाम जिले के वनांचल गांव की डीलर दीदी एवं अन्य समूह की महिलाओं द्वारा भी अपने सफल व्यवसाय के विषय में प्रदेश के अन्य समूहां को जानकारी दी हैं जो दुसरो में उत्साह एवं उमंग का संचार करता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक माह के दूसरे गुरुवार को इसका प्रसारण किया जाता है। नियमित रूप से सभी दीदियों को कार्यक्रम सुनने से प्रेरणा मिलती है। प्रदेश के सभी क्षेत्रों की जानकारियां अधिक से अधिक समूहों तक जाती है और गाँव की प्रत्येक दीदी को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने में इस रेडियों कार्यक्रम का बहुत योगदान है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष जिला पंचायत कैलाश चंद्रवंशी ने कहा कि जिले की महिला समूहों द्वारा एक से बढ़कर एक अलग-अलग आजीविका की गतिविधियों का संचालन कर रही है। यही कारण है कि वह लखपति दीदी का दर्जा प्राप्त कर रही है। हम सब का प्रयास होना चाहिए कि और नए-नए व्यावसायिक गतिविधियों से ग्रामीण महिलाओं को जोड़ते हुए उन्हें आजीविका के साधन प्रदान करे और उनकी व्यवसायिक गतिविधियां प्रदेश के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। दीदी के गोठ कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र साहू, श्रीमती पूर्णिमा मनीराम साहू, श्रीमती सुमित्रा विजय पटेल सहित अन्य सदस्यों के साथ महिला समुह द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए।

खास खबर

जिले में जल जीवन मिशन अधूरा, 16 हजार से ज्यादा घर अब भी नल कनेक्शन से वंचित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

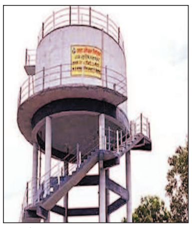

जिले में केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन योजना की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। तीन वर्ष बीतने के बाद भी योजना का कार्य शत-प्रतिशत पूरा नहीं हो सका है। जिले के 16,298 घरों तक अब भी नल कनेक्शन नहीं पहुंच पाया है, जबकि कई गांवों में पानी की टंकियां और पाइपलाइन का निर्माण अधूरा पड़ा है। इससे ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2023 में शुरू हुई इस योजना के तहत जिले के 1,56,789 घरों में नल कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया था। अब तक केवल 1,40,491 घरों में ही कनेक्शन दिए जा सके हैं। जिले के 662 गांवों में से 180 गांवों में काम अधूरा है। राजनांदगांव विकासखंड में प्रस्तावित 107 पानी टंकियों में से केवल 77 का ही निर्माण पूरा हुआ है। पीएचई विभाग के अनुसार भुगतान नहीं मिलने से कई ठेकेदार काम अधूरा छोड़कर चले गए हैं। विभाग ने 70 से अधिक ठेकेदारों के लाइसेंस निलंबित किए हैं, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं हो पाया है। कई स्थानों पर पाइपलाइन तो बिछ गई है, लेकिन उसे टंकियों से जोड़ा नहीं गया है।

योजना पूरी होने के बाद संचालन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपी जानी थी, लेकिन जिले की 800 से अधिक ग्राम पंचायतों में अब तक एक भी पंचायत को परियोजना हैंडओवर नहीं की गई है। पीएचई विभाग का कहना है कि अधूरे कार्य जल्द पूरे कराने के लिए निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल विभागीय लापरवाही और ठेकेदारों की उदासीनता का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

मोबाइल मेडिकल यूनिट से प्रयास आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशन में विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजनांदगांव के गौरव पथ स्थित प्रयास आवासीय विद्यालय में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर हुआ।

शिविर में विद्यालय के विद्यार्थियों का चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों का रक्तचाप, वजन, लंबाई, नेत्र परीक्षण, दंत परीक्षण तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही मौसमी बीमारियों की पहचान कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। जिन विद्यार्थियों को आगे की जांच या विशेष उपचार की आवश्यकता पाई गई, उन्हें संबंधित स्वास्थ्य संस्थान में रेफर करने की सलाह दी गई।

चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी। विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, हाथों की नियमित सफाई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से विद्यार्थियों में बीमारियों की समय पर पहचान हो सकेगी तथा उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं दूरस्थ क्षेत्रों में भी नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

बेमेतरा के बेरला में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव, उप मुख्यमंत्री साव ने खिलाई मिठाई

छात्रों को पुस्तक और शिक्षा सामग्री वितरित की गई, नेवता भोज कार्यक्रम का भी हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ में उत्सव के रूप में शाला प्रवेशोत्सव जगह-जगह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले के बेरला में भी जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं बेमेतरा जिला के प्रभारी मंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। डिप्टी सीएम की मौजूदगी में बच्चों का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर स्कूलों में स्वागत किया गया। स्कूल में नेवता भोज कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल, प्रदेश के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, साजा विधायक ईश्वर साहू और बेमेतरा के विधायक दीपेश साहू मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने बताया कि इस जिला स्तरीय उत्सव में न केवल नए बच्चों का स्कूल में दाखिला कराया गया, बल्कि जिले के होनहारों की हौसला अफजाई भी की गई। कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही बच्चों को शैक्षणिक सत्र के लिए निशुल्क पाठ्यपुस्तकें और अन्य शिक्षण सामग्रियां भी वितरित की गईं।

बेरला को मिली तीन बड़ी सौगात

बेरला में स्टेडियम निर्माण के लिए 50 लाख
गौरव पथ के लिए 2 करोड़
स्कूल बाउंड्री वॉल के लिए 20 लाख

सरकार शिक्षा की गुणवत्ता पर दे रही जोर : उपमुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। चाहे वह शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण हो या फिर स्कूलों में नियमित पैरेंट-टीचर मीटिंग का आयोजन, हम हर स्तर पर सुधार कर रहे हैं। सरकार का मुख्य लक्ष्य राज्य में 'ड्रॉपआउट रेट'

(स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या) को कम करना है। सरकार यह सुनिश्चित करने में जुटी है कि छत्तीसगढ़ का हर एक बच्चा स्कूल जाए, पढ़ाई करे और उच्च शिक्षा तक अपनी पढ़ाई को जारी रखे।

कार्यक्रम के समापन पर उपमुख्यमंत्री ने बेमेतरा जिले के सभी छात्र-छात्राओं को नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत पर बधाई दी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चे ही देश और प्रदेश का भविष्य हैं और उन्हें एक बेहतर शैक्षणिक माहौल देना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

नि :शुल्क राजमिस्त्री प्रशिक्षण से ग्रामीण युवाओं को मिला स्वरोजगार का संबल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान बेमेतरा ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य कर रहा है। इसी क्रम में ग्राम गोपालभैना में 30 दिवसीय निःशुल्क राजमिस्त्री (मेसन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को तकनीकी दक्षता प्रदान कर निर्माण क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को चिनाई, ईंट जोड़ाई, प्लास्टरिंग, निर्माण कार्यों के नक्शे एवं ले-आउट को पढ़ने, निर्माण सामग्री के वैज्ञानिक उपयोग, गुणवत्ता नियंत्रण तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में युवाओं ने व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर निर्माण कार्यों की आधुनिक तकनीकों को सीखा। इस प्रशिक्षण की विशेषता केवल तकनीकी कौशल तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रतिभागियों को वित्तीय साक्षरता से भी जोड़ा गया। उन्हें बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल लेन-देन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, विभिन्न ऋण योजनाओं तथा बचत एवं निवेश संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं, ताकि वे स्वरोजगार प्रारंभ करने के साथ-साथ वित्तीय रूप से भी सशक्त बन सकें।

प्रशिक्षण के समापन समारोह में राज्य नियंत्रक आरसेटी अरुण सोनी, मूल्यांकन टीम के सदस्य राम बासु एवं चंदन साहू सहित ग्राम गोपालभैना के जनप्रतिनिधि एवं संस्थान के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी सफल प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा स्वरोजगार प्रारंभ करने के लिए आवश्यक टूल किट (औजार) का वितरण भी किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्य नियंत्रक आरसेटी अरुण सोनी ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब ग्रामीण युवा केवल रोजगार तलाशने वाले नहीं बल्कि रोजगार उपलब्ध कराने वाले उद्यमी बनें। उन्होंने कहा कि राजमिस्त्री का कार्य ऐसा कौशल है जिसकी गांव से लेकर शहर तक निरंतर मांग बनी रहती है और यह प्रशिक्षण युवाओं को स्थानीय स्तर पर सम्मानजनक आजीविका अर्जित करने का अवसर प्रदान करेगा।

निदेशक कृष्णा चौधरी ने कहा कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा एवं जिला पंचायत आवास शाखा के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से युवाओं को विभिन्न व्यावसायिक कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने का सतत प्रयास किया जा रहा है।

कोर्स कॉर्डिनेटर प्रतीक साहेब गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का अपना घर बनाने का सपना होता है और उस सपने को मजबूत एवं सुरक्षित आधार देने के लिए तकनीकी रूप से दक्ष एवं प्रशिक्षित राजमिस्त्री तैयार करना अत्यंत आवश्यक है। बेमेतरा इसी उद्देश्य के साथ ग्रामीण युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सफल उद्यमी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त ग्रामीण युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने SBI RSETI बेमेतरा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से न केवल उनके कौशल में वृद्धि हुई है।

विधायक भावना बोहरा ने अमलीटोला में किया नए आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / पंडरिया

पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बदना अंतर्गत अमलीटोला में आज नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने नए भवन का शुभारंभ करते हुए क्षेत्रवासियों और ग्रामीणों को बधाई दी। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि नया आंगनबाड़ी भवन बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आधारभूत सुविधाओं का विकास बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बेहद आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश और देश में जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, पोषण और बाल विकास से जुड़ी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि हर गांव में बच्चों और महिलाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन के शुरू होने से स्थानीय बच्चों को सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। यहां बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा के साथ-साथ पोषण आहार, स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विधायक ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के विकास और महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं।

इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ माताओं को भी स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और आने वाले समय में भी ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ मजबूत किया जाएगा।

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने नए आंगनबाड़ी भवन के निर्माण को क्षेत्र के लिए उपयोगी कदम बताया और विधायक का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने कहा कि नए भवन के बनने से बच्चों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बेहतर सुविधा मिलेगी। इससे केंद्र का संचालन अधिक व्यवस्थित तरीके से हो सकेगा और बच्चों को बेहतर माहौल मिलेगा। आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण क्षेत्र में बाल विकास और महिला कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे सरकार की योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

सड़क निर्माण कार्यों में मॉनीटरिंग और गुणवत्ता सुनिश्चित कराने में हुई घोर लापरवाही

सचिव भीम सिंह ने सड़क की कोर कटिंग करवाकर मौके पर ही करवाई जांच, सहायक अभियंता और उप अभियंता को तत्काल निलंबित किए जाने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर बोड़ला विकासखंड के दलदली मेन रोड खारिया से अगरी तक प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित सड़क के धंसने की शिकायत के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह ने गुरुवार को मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क की गुणवत्ता का वैज्ञानिक परीक्षण कराने के लिए कोर कटिंग कराई गई तथा विभिन्न तकनीकी मानकों पर सड़क की जांच की गई। जांच में स्पष्ट हुआ कि नवनिर्मित सड़क हैवी लोड वाहनों के आवागमन के कारण क्षतिग्रस्त हुई। जिस सड़क पर केवल 10-12 टन क्षमता वाले वाहनों के संचालन की अनुमति है, वहां 60-70 टन क्षमता तक रेत परिवहन करने वाले भारी वाहनों के संचालन और शोल्डर निर्माण में तकनीकी खामी से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई।

सचिव श्री सिंह ने दलदली मेन रोड खारिया से अगरी तक निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही बरतने के कारण ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों में मॉनीटरिंग और गुणवत्ता सुनिश्चित कराने में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित सहायक अभियंता सौरभ देशमुख और उप अभियंता जे रितेश नायडू को तत्काल निलंबित किया गया। वहीं कार्यपालन अभियंता संतोष कुमार ठाकुर को निलंबित करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सड़क का जो हिस्सा क्षतिग्रस्त है उसे उखाड़कर पुनः बनवाने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। वहीं पूरी सड़क के शोल्डर को गुणवत्तापूर्ण निर्माण के साथ सुधार करवाने के निर्देश दिये गये हैं।

जांच के दौरान अन्य तकनीकी मानकों का परीक्षण भी किया गया, जिसमें कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाया गया। जीएसबी एवं डब्ल्यूबीएम परतों के परीक्षण में ग्रेडेशन तथा कम्पैक्शन संतोषजनक रहा। वहीं बीटी कार्य के तहत पीएमसी एवं सील कोट के लिए किए गए बाइंडर कंटेंट परीक्षण में 6 प्रतिशत परिणाम प्राप्त हुआ, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप है। तकनीकी जांच के दौरान यह पाया गया कि सड़क के शोल्डर का कॉम्पैक्शन निर्धारित मापदंड (100 प्रतिशत) से कम था। आर.डी. 1400 मीटर पर यह 95 प्रतिशत और आर.डी. 2100 मी. पर केवल 94.68 प्रतिशत पाया गया, जो कि मानकों से कम है। जांच में आर.डी. 1400 मी. पर निर्मित पुलिया के एप्रोच में बैकफिलिंग (मिट्टी भराई) का कार्य भी मापदंड के अनुसार नहीं किया गया था। इस वजह से वर्षाऋतु में बारिश का पानी शोल्डर से होते हुए सड़क के सब-बेस (निचली सतह) में घुस गया, जिससे सड़क के अंदरूनी हिस्से कमजोर हो गए।

पीएम जनमन की सड़क पर भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित किया जाएगा

सचिव भीम सिंह ने कहा कि पीएम जनमन की सड़क पर भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क की क्षमता से अधिक भार वाले वाहनों के चलने से सड़क को नुकसान पहुंचा है। ऐसे वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए परिवहन, पुलिस और राजस्व विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई करेंगे। इस अवसर पर अधिक्षण अभियंता अखिलेश तिवारी, बलवंत पटेल, अमित गुलहरे कार्यपालन अभियंता संतोष ठाकुर, सहायक अभियंता सौरभ देशमुख, मुरारी साहू, उप अभियंता रितेश नायडू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ईडी की कार्रवाई के विरोध में पीएम मोदी और मुख्यमंत्री साय का किया पुतला दहन

भाजपा की दमनकारी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आज जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर एवं दुर्ग शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में पटेल चौक, दुर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन कर केंद्र एवं राज्य सरकार की दमनकारी नीतियों, केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग तथा कांग्रेस नेताओं के विरुद्ध की जा रही राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसजनों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लोकतंत्र, संविधान एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प दोहराया। पुतला दहन के दौरान पुलिस द्वारा कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया गया, जिसके चलते कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पुलिस के बीच हल्की झूमा-झटकी की स्थिति भी निर्मित हुई। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई और कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

कांग्रेस के दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से कार्य करना लोकतंत्र की आवश्यकता है, लेकिन जिस प्रकार विपक्ष के नेताओं और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को लगातार निशाना बनाया जा रहा है, उससे एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। भाजपा सरकार ने ईडी जैसी एजेंसियों को राजनीतिक हथियार बनाकर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास किया है।

जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने प्रवर्तन निदेशालय को केंद्र सरकार का "तोता" बताते हुए कहा कि, आज ईडी एक निष्पक्ष जांच एजेंसी के बजाय केंद्र सरकार के इशारों पर काम करने वाली संस्था बनती जा रही है। भाजपा अपने राजनीतिक विरोधियों को डराने, बदनाम करने और लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है। जब भी भाजपा किसी राज्य में राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ती है या विपक्ष मजबूत होता है, तब ईडी को आगे कर दिया जाता है। कांग्रेस पार्टी इस तरह की प्रतिशोध की राजनीति से डरने वाली नहीं है और संविधान तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करती रहेगी।

दुर्ग शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष को डराने और प्रताड़ित करने की राजनीति की जा रही है। कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज को दबाने के हर प्रयास का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी। लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस का संघर्ष लगातार जारी रहेगा।" प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि केंद्र एवं राज्य सरकार विपक्ष की आवाज दबाने और जांच एजेंसियों का राजनीतिक उपयोग करने से बाज नहीं आती है, तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशभर में जनआंदोलन को और अधिक तेज करेगी।

प्रदर्शन के दौरान कोषाध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल, हरीश ठाकुर, किसान कांग्रेस अध्यक्ष पुकेश चंद्राकर, महामंत्री राम सूर्यवंशी, संगीत डोरी, राजेश मानिकपुरी, संतोष बाफना, कमलेश साहू, श्रीकांत वर्मा, प्रकाश ठाकुर, सरोजनी चंद्राकर, सुनीता चन्नेवर, महेंद्र निषाद, अभिषेक जांगड़े, मोहित वालदे, गोपाल यादव, रामप्यारी वर्मा, गज्जू साहू, ओमकार निर्मलकर, जयप्रकाश साहू, अभिनव बघेल, सचिन पाटने,सुनीत घोष नशीर खोखर , मुकेश साहू, कौशल किशोर सिंह, आनंद ताम्रकार, प्रेमलता साहू, विशाल देशमुख, पोषण साहू, नासिर खोखर, मुकेश साहू, गुरदीप भाटिया, एजाज खान, संजू धनकर, आयुष शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

भव्य कांवर यात्रा महोत्सव की तैयारियां प्रारंभ, आज बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-पाटन

बोल बम कांवर यात्रा समिति, पाटन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य एवं विशाल कांवर यात्रा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। यात्रा को सुव्यवस्थित, भव्य एवं श्रद्धामय स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार, 11 जुलाई 2026 को दोप. 3:00 बजे रेस्ट हाउस, पाटन में आयोजित की जाएगी।

समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि कांवर यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन बस नहीं है यह सनातन संस्कृति, आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष हजारों शिवभक्त "बोल बम" के जयघोष के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए कांवर यात्रा में सम्मिलित होते हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी यात्रा को पहले से अधिक भव्य और सुव्यवस्थित रूप देने की योजना बनाई जा रही है।

समिति के संयोजक वर्मा जी ने कहा कि बैठक में यात्रा के संपूर्ण आयोजन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। यात्रा मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, पेयजल एवं भोजन व्यवस्था, विश्राम स्थल, यातायात समन्वय, स्वच्छता, अनुशासन, प्रचार-प्रसार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं शिवभक्तों के सुझाव लिए जाएंगे।

समिति के संयोजक वर्मा ने पाटन क्षेत्र के सभी सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों, युवा मंडलों, महिला समूहों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारी बंधुओं, स्वयंसेवकों एवं भगवान शिव के सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने सुझाव दें एवं आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।आगे उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसी एक व्यक्ति या समिति का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था और सहभागिता का उत्सव है।

भिलाई भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे छग भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय कार्यकर्ताओं को दिया मार्गदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय गुरुवार को भिलाई भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने जिले के कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। संगठन महामंत्री साय ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों, आगामी कार्यक्रमों और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं और जमीनी स्तर पर मेहनत से ही संगठन को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर भिलाई भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन और वरिष्ठ भाजपा नेता कन्हैया सोनी विशेष रूप से उपस्थित थे। दोनों नेताओं ने संगठन महामंत्री का स्वागत किया और उनके मार्गदर्शन को कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक बताया। बैठक में पार्टी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

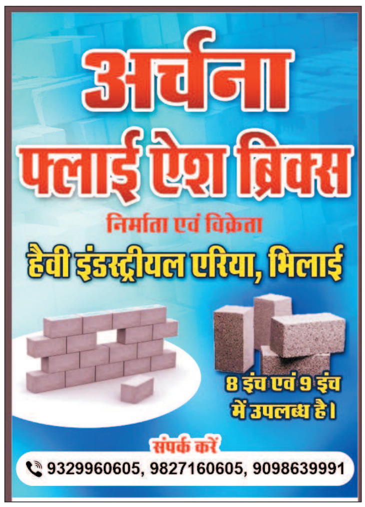

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100